आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 25 | अंक : 343 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 09 दिसंबर, 2023 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

300 करोड़ का 'धनकुबेर साहू'

- नगदी गिनते-गिनते खराब हुई मशीनें
- तीन बैगों में ज्वैलरी भरकर ले गई टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू व उनके करीबियों के ठिकानों पर आईटी की छापेमारी जारी है। आईटी ने अब तक 300 करोड़ रुपए कैश बरामद किया हैं। इनकम टैक्स टीम की छापामारी में बरामद किए गए नकदी को गिनते-गिनते मशीन ही खराब हो गई। छापेमारी पिछले 72 घंटों से जारी है। नोटों को गिनने के लिए 36 से अधिक मशीनें लगाई गई हैं। नोटों की गिनती आज यानी शनिवार को भी जारी है। यह गिनती भारतीय स्टेट बैंक के दो बैंकों में की जा रही है। कांग्रेस नेता के ठिकानों से बरामद काले धन पर भाजपा के सांसद गिरिराज सिंह ने महागठबंधन पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के इस कांड पर महागठबंधन क्यों चुप है। आईटी द्वारा की गई छापेमारी में नोटों का खजाना मिला है। नोट गिनती करते-करते कई मशीनें खराब हो गई जिससे विभाग को नई मशीनें मंगानी पड़ी। इसके बाद गिनती शुरू हुई। बुधवार को 150 करोड़ की गिनती करने के बाद मशीनें खराब हो गई थी। जिसके बाद गिनती का काम प्रभावित हुआ।

एसबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि आयकर अधिकारियों के अनुरोध पर भारतीय स्टेट बैंक की बलांगीर और जबलपुर शाखा में नोटों की गिनती की जा रही है। नोटों की गिनती शनिवार को भी जारी है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो आयकर विभाग द्वारा अबतक की सबसे बड़ी जब्ती हो सकती है। आयकर विभाग की टीम ने यह रकम झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के पारिवारिक शराब कंपनियों के कार्यालयों और करीबी के आवास से जब्त किया गया है।

बाबा बालकनाथ दौड़ से बाहर!

एक्स पर किये गए पोस्ट ने राजनैतिक गलियारे में उड़ाई हवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 6 दिन बाद भी अभी तक भारतीय जनता पार्टी इन राज्यों के लिए मुख्यमंत्री के नाम तय नहीं कर पाई है। वहीं तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल कई नाम अपने-अपने दावे कर रहे हैं। राजस्थान में सीएम पद के दावेदारों में कई नेताओं के नामों की चर्चा है। जिनमें एक नाम बाबा बालकनाथ का भी लिया जा रहा है। लेकिन आज बाबा बालकनाथ के एक्स पर किए गए पोस्ट ने कुछ इशारा किया है। जिससे लगता है कि बाबा बालकनाथ राजस्थान में सीएम पद की दौड़ से बाहर हो गए हैं।

बाबा बालकनाथ ने X पर किया पोस्ट

बाबा बालकनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने पीएम मोदी और पार्टी का आभार व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों को भी सिरे से खारिज किया है। बाबा बालकनाथ ने लिखा- 'पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनता-जनार्धन ने पहली बार सांसद व विधायक बना कर राष्ट्रसेवा का अवसर दिया। चुनाव परिणाम आने के बाद से मीडिया और सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को नजरअंदाज करें। मुझे अभी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अनुभव प्राप्त करना है।'

बता दें कि बाबा बालकनाथ साल 2019 में अलवर लोकसभा से सांसद बने थे। हाल ही में संपन्न हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव में बाबा बालकनाथ ने तिजारा विधानसभा सीट से जीत दर्ज की है। बीजेपी के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद सीएम पद की रेस में उनका नाम भी लिया जा रहा है। हालांकि, अभी तक पार्टी ने किसी भी नाम पर अपनी सहमति दी है। उम्मीद है कि पार्टी जल्द ही किसी नाम पर फैसला ले सकती है। इसके चलते राजस्थान के कई बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं।

मध्य प्रदेश में सोमवार को विधायकों की बैठक

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के नाम तय करने के लिए 11 दिसंबर 2023 सोमवार को भोपाल में शाम 4.00 बजे विधायक दल की बैठक होगी। भाजपा के विधायकों को इसके लिए मैसेज भेजे जाने लगे हैं। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज शाम 5.00 बजे राजस्थान के विधायकों के साथ ऑनलाइन बैठक में शामिल होंगे।

यूपी में आईपीएस के बम्पर तबादले, नोएडा से एडीसीपी को भेजा अंबेडकरनगर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में एक बार फिर से तबादला एक्सप्रेस दौड़ी है। शनिवार की सुबह होते ही पुलिस विभाग में तैनात 42 अपर पुलिस अधीक्षकों के तबादलों की सूची जारी कर दी गई। शासन स्तर से जारी इस सूची के अनुसार लखनऊ, आगरा, मथुरा, सीतापुर, वाराणसी आदि जिलों में तैनात एडिशनल एसपी को इधर से उधर किया गया है। लखनऊ के दो एडिशनल एसपी का भी हुआ तबादला।

गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के अपर पुलिस उपायुक्त विशाल पांडेय को अंबेडकरनगर में अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। उनके स्थान पर बागपत के अपर पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार मिश्र को गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। जानकारी के अनुसार उन्नाव के एडिशनल एसपी शशिशेखर सिंह का तबादला संतकबीरनगर जिले में कर दिया गया है। प्रतापगढ़ के एएसपी रोहित मिश्रा को बुलंदशहर जिले भेजा गया है और लखनऊ पश्चिम में एडिशनल एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा का बाराबंकी उत्तरी में ट्रांसफर किया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नर के स्टाफ अफसर अखिलेश सिंह का उन्नाव भेजा गया है।

आयरन लेडी लक्ष्मी सिंह ने नोएडा पुलिस को बनाया नंबर-1

स्ट्रीट क्राइम, लूट, चोरी व सेंधमारी की घटनाएं हुई कम

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह का इन दिनों पूरे यूपी में डंका बज रहा है। उनकी कार्यशैली की पूरे यूपी में चर्चा हो रही है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत पूरे जिले में माफियाओं और शातिर अपराधियों पर नकेल कस रखी है। यही वजह है कि नोएडा (गौतमबुद्ध नगर जनपद) कई मामलों में पूरे उत्तर प्रदेश में नंबर वन की पोजिशन पर है। सीएम योगी आदित्यनाथ भी इस जनपद की पुलिस की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हैं।

आपको बता दें कि शुक्रवार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा में आए थे। यहां उन्होंने एक निजी यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भाग लिया था। इसके बाद उन्होंने गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के सभागार में कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस समीक्षा के दौरान पता चला कि यूपी की नोएडा पुलिस कई मामले में पूरे यूपी में नंबर एक की पोजिशन पर है। बताया गया कि यूपी के डीजीपी द्वारा चलाए गए operation conviction के तहत गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते

763 अभियुक्तों को दिलाई गई सजा

हुए 640 मुकदमों में 763 अभियुक्तों को सजा कराई गई, जोकि पूरे प्रदेश में नंबर-1 है। इसके अलावा आपरेशन दृष्टि के अंतर्गत तीनों जॉन में 31332 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं जोकि पूरे प्रदेश में नंबर-1 है।

कानून व्यवस्था को लेकर आयोजित बैठक में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ के समक्ष वर्ष 2023 में पुलिस द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों को रेखांकित करते हुए प्रस्तुतिकरण दिया गया। बताया गया कि गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा पिछले 1 वर्ष में स्ट्रीट क्राइम की रोकथाम के लिए निरंतर कार्य किए गए है जिस कारण वर्ष 2023 में वर्ष 2022 के सापेक्ष लूट में 22 प्रतिशत, वाहन चोरी में 16 प्रतिशत व सेंधमारी में 40 प्रतिशत की कमी आई है।

छेड़खानी की वारदातों में 44 प्रतिशत की कमी

गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम चलाकर महिलाओं को जागरूक किया गया व जनपद के प्रत्येक थाने पर(शेष पृष्ठ-3 पर)

'मुआवजा घोटालों में लिप्त प्राधिकरण अफसरों की संपत्तियों की जांच हो'

संपत्ति की नीलामी कर वसूली जाए घोटाले की रकम : मनोज गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण तथा राजस्व विभाग के घोटालों में लिप्त रहे भ्रष्ट अफसरों पर

भाजपा महानगर अध्यक्ष ने की सीएम से मांग

अब गाज गिरना तय है। ऐसे अफसरों की संपत्तियों की जांच कर उनके खिलाफ एफआईआर कराकर घोटाले की रकम उनकी संपत्तियों की नीलामी कर वसूली जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस मसले को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया है। भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कल मुख्यमंत्री को लिखित पत्र देकर यह मांग की।

उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नोएडा प्राधिकरण में मुआवजा वितरण घोटाले की एसआईटी जांच के लिए आभार व्यक्त किया। श्री गुप्ता ने मांग की कि इस मामले में प्राधिकरण तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ कुछ सफेदपोशों की भी संलिप्तता है।(शेष पृष्ठ-3 पर)

ईको कार की टक्कर से गई बाइक सवार की जान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक वन क्षेत्र के लुक्सर जेल के पास इको कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक इको कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

ग्राम धनोरी कला थाना दनकौर निवासी 20 वर्षीय निखिल अपनी बाइक से जा रहा था। लुक्सर जेल के पास तेज गति में आ रही इको कार के चालक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया हादसे के बाद चालक कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल निखिल को सनी कुमार ने उपचार के लिए यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया उपचार के दौरान निखिल की मौत हो गई अस्पताल से जानकारी मिलने पर थाना ईकोटेक-1 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और घटनास्थल से कार को जब्त कर लिया। पुलिस आरोपी कार चालक की तलाश कर रही है।

झुग्गी में युवक ने की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के सेक्टर-12 में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद की बात सामने आई है।

चौकी डी क्षेत्र के सेक्टर-12 के पास बसी झुग्गी बस्ती में रहने वाले जयदेव ने बीती रात्रि फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना के समय उसकी पत्नी किसी काम से बाहर गई थी। कुछ समय बाद जब वापस घर लौटी तो उसे जयदेव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। उसने पड़ोसियों की मदद से उसे फंदे से नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद की बात सामने आई है पत्नी से झगड़ा होने के बाद जयदेव ने फांसी लगा ली।

खेल उत्सव में बच्चों ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'खेलो इंडिया' की तर्ज पर गौड़ सिटी स्टेडियम नोएडा एक्सटेंशन में रंगारंग कार्यक्रम के साथ खेल उत्सव की धूम देखने को मिली जिसमें स्कूली बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

किडजी पीज इन पॉड्स केएसडी इंटरनेशनल स्कूल, माउंट लिटेरा स्कूल के बच्चों ने अलग अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर न सिर्फ स्कूल बल्कि अभिभावकों का मन मोह लिया। खेल उत्सव को प्रसिद्ध स्कूल(शेष पृष्ठ-3 पर)

कांग्रेसियों ने मनाया सोनिया गांधी का जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी ने आज कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा संरक्षक श्रीमती सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। सेक्टर-57 बिशनपुरा स्थित पार्टी कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में श्रीमती सोनिया गांधी का चित्र रखकर केक काटा तथा आपस में मिठाई खाकर उनके दीर्घायु की कामना की।(शेष पृष्ठ-3 पर)

किसान संगठनों को एकजुट करके लड़ेंगे हक की लड़ाई

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में सक्रिय विभिन्न किसान संगठन जमीन अधिग्रहण के सापेक्ष किसानों को 10 प्रतिशत के

भूखंड, समान मुआवजा दिए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की पिछले काफी समय से मांग कर रहे हैं। क्षेत्र के किसानों की जायज मांगों को पूरा कराने के लिए भारतीय किसान यूनियन मंच एक ठोस रणनीति बनाने में जुटा हुआ है। भाकियू मंच का कहना है कि अगर किसानों की जायज मांगें जल्द पूरी नहीं हुई तो क्षेत्र में सक्रिय सभी किसान संगठनों को एक बैनर तले लाकर संयुक्त किसान मोर्चा का गठन किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा किसानों की आवाज को पुरजोर तरीके से उठाने का कार्य किया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन (मंच) जिले के किसान संगठनों को करेगा एकजुट

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने बताया कि वर्ष 1997 से अब तक के सभी किसानों को 10 प्रतिशत आबादी भूखंड अथवा उसके समतुल्य धनराशि प्रदान किए जाने की मांग पिछले काफी समय से चली आ रही है। प्राधिकरण ने पूर्व में वादा खिलाफी करते हुए किसानों को महज 5 प्रतिशत के भूखंड दिए थे। किसानों की भूमि अर्जित करते समय दी गई धनराशि में से भी प्राधिकरण द्वारा 10 प्रतिशत राशि काट ली गई थी। समानता के आधार पर किसानों को लाभ दिए जाने की मांग पूर्व में भी किसान संगठनों द्वारा कई बार प्रमुखता से उठाई गई। किसानों की मांगों को लेकर पूर्व में कई बार विभिन्न किसान संगठनों द्वारा धरने प्रदर्शन किए गए। इसके बावजूद भी किसानों की इस मांगों को अभी तक पूरा नहीं किया गया है।

श्री चौहान ने बताया कि प्राधिकरण अधिकारी किसानों के साथ छलावा कर रहे हैं। आंदोलन के समय किसानों की मांगे मानने का आश्वासन देकर उनका आंदोलन समाप्त करा कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

श्री चौहान ने कहा कि यदि किसानों की 10 प्रतिशत भूखंड दिए जाने की मांग को जल्द पूरा नही किया गया तो एक बड़े आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। क्षेत्र में सक्रिय सभी किसान संगठनों के पदाधिकारियों से वार्ता कर एक संयुक्त किसान मोर्चा(शेष पृष्ठ-3 पर)

अंत्योदय कार्ड धारकों को ही मिलेगी चीनी : चमन शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। शासन द्वारा संचालित सरकारी गल्ले की दुकानों (राशन दुकानों) पर सिर्फ अंत्योदय कार्ड धारकों को ही चीनी मिलेगी। इसको लेकर आम उपभोक्ताओं द्वारा कई दुकानों पर डीलरों के साथ विवाद की भी खबरें मिल रही हैं।

यह गलतफहमी दूर करते हुए जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को 5 से 20 दिसंबर तक राशन बांटा जा रहा है। जिसमें अंत्योदय कार्ड धारकों को 14 किलो गेहूं, 21 किलो चावल तथा गृहस्थी कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 2 किलो गेहूं तथा 3 किलो चावल बांटा जा रहा है। वहीं अंत्योदय कार्ड धारकों को अक्टूबर, नवंबर तथा दिसंबर के सापेक्ष प्रति कार्ड 18 रुपए प्रति किलो की दर से(शेष पृष्ठ-3 पर)

भयंकर गलतियां

जम्मू-कश्मीर का जिक्र होगा, तो नेहरू और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी याद किया जाएगा। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर के संदर्भ में दो 'भयंकर गलतियां' (ब्लंडर) की थीं। भारत की आजादी के कुछ माह बाद ही कबाइलियों (पाकिस्तान की मुखौटा फौज) ने कश्मीर पर हमला कर दिया था। अभी युद्ध जारी था और हमारी सेनाएं जीत रही थीं। पूरे कश्मीर पर भारत का कब्जा होने ही वाला था कि प्रधानमंत्री नेहरू ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। नतीजतन कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में ही रहा। वह उसे 'आजाद कश्मीर' कहता है, लेकिन भारत उस पीओके को अपना हिस्सा मानता है। संसद में इस आशय के प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। दूसरी भयंकर गलती यह थी कि नेहरू कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में ले गए, लिहाजा आज भी कई देश इसे 'अंतरराष्ट्रीय मसला' करार देते हैं। इसके अलावा कश्मीर का आयाम यह था कि 'जनसंघ' के संस्थापक बनने से पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश की पहली कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। कश्मीर के मुद्दे पर उन्होंने आंदोलन खड़ा किया था कि कश्मीर में भी 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था होनी चाहिए। उस दौर में शेख अब्दुल्ला कश्मीर के प्रधानमंत्री थे और कश्मीर का संविधान तथा ध्वज भी भारत से अलग थे। उस अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को संसद के जरिए समाप्त किया। आज कश्मीर भी पूरी तरह 'भारतीय' है। लोकसभा में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) और जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयकों को ध्वनि-मत से पारित किया गया। विपक्ष ने वॉकआउट किया। इन विधेयकों के बाद जम्मू-कश्मीर में 'नया सूर्योदय' होगा। साफ है कि संघ शासित क्षेत्र का स्वरूप समाप्त कर कश्मीर का राज्यत्व बहाल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, क्योंकि पुनर्गठन के तहत परिसीमन को स्वीकृति दी गई है। अब जम्मू में 37 से बढ़ा कर 43 सीट और घाटी में 46 के बजाय 47 सीट की व्यवस्था संसद में पारित की गई है। उपराज्यपाल कश्मीर प्रवासी समुदाय के 2 व्यक्तियों (एक महिला समेत) और विस्थापितों के एक प्रतिनिधि को विधानसभा में नामांकित कर सकेंगे। जम्मू-कश्मीर में पहले आरक्षण की व्यवस्था बेहद क्षीण थी। अब नौकरियों, शैक्षिक और व्यावसायिक संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति आदि के आरक्षण तय कर दिए गए हैं। कश्मीर के संदर्भ में पंडितों के विस्थापन, पलायन और आतंकवाद, अलगाववाद को भूला नहीं जा सकता। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंक और अलगाव की बुनियादी वजह अनुच्छेद 370 को माना है। अनुच्छेद 370 के कारण ही करीब 45,000 कश्मीरियों की मौतें हुईं। बहरहाल अब गृहमंत्री का दावा है कि आतंकवाद 70 फीसदी खत्म हो चुका है। उसके इकोसिस्टम पर हमले किए जा रहे हैं। आतंकी फंडिंग को नियंत्रित किया जा रहा है। आज अलगाववादियों के आह्वान पर घाटी में न तो हड़ताल होती है और न ही पथराव किया जाता है। अनुच्छेद 370 समाप्त करने पर एक कंकड़ भी नहीं चला। अब हर तीन महीने पर सुरक्षा संबंधी समीक्षा की जाती है। कश्मीर घाटी में अब 4 नए थियेटर खुल चुके हैं। कश्मीर में फिल्में बनाई जाने लगी हैं। 2022-23 के दौरान 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर घूमने आए। गृहमंत्री का दावा तथ्यात्मक होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने संसद के भीतर ये जानकारियां दी हैं, लेकिन यह कैसे भूला जा सकता है कि कश्मीरी पंडितों के 46,631 परिवारों और 1,57,967 लोगों को अपने ही देश में विस्थापित होना पड़ा था। बहरहाल कश्मीर में सूर्योदय होने लगा है। कारोबार और निर्यात फल-फूल रहे हैं। डल लेक में शिकारों की व्यस्तता बढ़ गई है। यदि पीओके हमारा है, तो उसे हासिल करने की कोशिशें भी स्पष्ट होनी चाहिए।

कांग्रेस की तंगदिली के चलते बिखरने लगा है विपक्षी गठबंधन इंडिया

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। देशभर फिलवक्त चर्चा हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की जीत की है। बीजेपी मध्य प्रदेश में सरकार बचाने में सफल रही और पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को हराकर बीजेपी सत्ता में लौट आई है। वहीं राजस्थान में हर चुनाव में सरकार बदलने का रिवाज बदलना चाह रही कांग्रेस नाकामी हाथ लगी है। उसे सिर्फ दक्षिण भारत के राज्य तेलंगाना में ही सफलता मिली है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी की प्रचंड जीत ने चुनावी पंडितों को हैरान कर दिया है, वहीं तेलंगाना और मिजरोम में बीजेपी के बढ़ते जनाधार ने इंडी गठबंधन में खलबली मचा दी है। कांग्रेस के लचर और निराशाजनक प्रदर्शन का असर इंडी गठबंधन की एकजुटता पर भी दिखाई देने लगा है। सवाल उठ रहे हैं कि इन नतीजों का इस गठबंधन और इसके भविष्य पर क्या असर पड़ेगा। ऐसा इसलिए भी, क्योंकि नतीजों के बाद इंडिया के घटक दलों ने कांग्रेस के रवैए पर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसंबर को इंडी गठबंधन की बैठक बुलाई थी। लेकिन बैठक से ठीक एक दिन पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरने, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बैठक में शामिल होने से इंकार कर दिया। कांग्रेस की तरफ से सफाई दी गई है कि बारिश की वजह से चेन्नई एयरपोर्ट बंद है, ऐसे में स्टालिन भी शामिल नहीं हो पा रहे हैं। वहीं नीतीश कुमार की तबीयत ठीक नहीं हैं, जबकि ममता बनर्जी कार्यक्रम में व्यस्त है। गठबंधन के कई सहयोगियों के इनकार के बाद इंडी गठबंधन की बैठक को टालना पड़ गया है। अब कांग्रेस के सामने अपने कुनबे को बचाये रखने की चुनौती है।

कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन से इंडी गठबंधन के घटक दलों को प्रेशर पॉलिटिक्स करने का मौका मिल गया। इंडी गठबंधन में शामिल दल अब कांग्रेस को गठबंधन धर्म पालन नहीं करने की याद दिला रहे हैं। साथ ही बता रहे हैं कि गठबंधन न करने का खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है। ऐसे में घटक दल कांग्रेस की आपदा में अपना अवसर तलाश रहे हैं। अपनी शर्तों पर कांग्रेस से समझौता करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने बैठक से दूरी बनाकर कांग्रेस को स्पष्ट संदेश दे दिया है।

इंडी गठबंधन की दूसरी बैठक के बाद ही ममता बनर्जी ने जो तेवर दिखाया था, उससे पता चल गया था कि गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके बाद बैठक में शामिल होने से

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस ने इन चुनावों में एक मौक़ा गंवाया है। इन चुनावों में विपक्षी दलों को साथ लेने और एक राजनीतिक बदलाव की पहल कांग्रेस कर सकती थी, जिससे इंडिया गंठबंधन की भावना को मज़बूती मिलती।

इंकार कर ममता बनर्जी ने अपनी नाराजगी प्रकट कर दी है। हालांकि उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि बैठक कब और कहां हो रही है इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। किसी ने मुझे बैठक के बारे में नहीं बताया था और ना ही कोई फोन आया था। अगर उन्हें पता होता तो बैठक में चली जाती है। इसके विपरीत कांग्रेस की तरफ से कहा जा रहा है कि सभी नेताओं को बैठक की सूचना दे दी गई थी। ममता बनर्जी की सफाई और कांग्रेस के बचाव ने गठबंधन की पोल खोलकर रख दी है। इससे पहले कांग्रेस की हार पर ममता बनर्जी से सवाल किया गया तो उन्होंने दो टूक कहा कि ये जनता की नहीं कांग्रेस की हार है। कांग्रेस की हार 'ज़मींदारी एटीट्यूड' की वजह से हुई है। वहीं जनता दल यूनाइटेड का कहना है कि कांग्रेस के 'घमंड' की वजह से हार मिली है।

वास्तव में पांच राज्यों में चुनाव से पहले कांग्रेस हसीन सपने देख रही थी। उसे चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। इसके माध्यम से वो अपनी बार्गेनिंग पावर बढ़ाने और इंडी गठबंधन की ड्राइविंग सीट पर मजबूती के साथ बैठकर मनमाना फैसले लेने की सोच रही थी। लेकिन खराब प्रदर्शन ने उसके उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। अब बाजी पूरी तरह पलट गई है। अब कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। और उसे इंडी गठबंधन के घटक दलों की नसीहत, शर्तों और बार्गेनिंग से जूझना पड़ रहा है। आने वाले समय में घटक दलों के दबाव और हमलों और बढ़ेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस ने इन चुनावों में एक मौक़ा गंवाया है। इन चुनावों में विपक्षी दलों को साथ लेने और एक राजनीतिक बदलाव की पहल कांग्रेस कर सकती थी, जिससे इंडिया गंठबंधन की भावना को मज़बूती मिलती। छोटी पार्टियों को अपने साथ लेने से कांग्रेस को जो फ़ायदा मिल सकता था, उसमें उसने चूक की है। गठबंधन बनने से जो राजनीतिक शक्ल बदलती है, वह विधानसभा चुनाव में नहीं बदली। जैसे तेलंगाना में कांग्रेस ने सीपीआई के साथ गठबंधन किया था, लेकिन सीपीएम के साथ नहीं किया था। तो इस तरह से बाक़ी जगह भी छोटे दलों को साथ लाने का फ़ायदा वे नहीं ले पाए। छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ का वोट बीजेपी को ट्रांसफ़र हो गया।

इसी तरह कांग्रेस राजस्थान में भारत आदिवासी पार्टी यानी बीएपी के साथ गठबंधन कर सकती थी। अखिलेश यादव की पार्टी समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ना चाहती थी तो एक-दो सीटें उन्हें दी जा सकती थीं। कुछ सीटें वामदलों को कांग्रेस दे देती तो नई राजनीति ला सकते थे। लेकिन कांग्रेस भी साफ्ट-हिंदुत्व के फेर में पड़ गई। लेकिन कांग्रेस ने न हिंदुत्व को चुनौती दी, न ही उस पर खेल पाई। और कांग्रेस की इन तमाम चूकों का नतीजा अब सबके सामने है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में अगर छोटे दलों को साथ लिया जाता तो फ़ायदा होता। जैसे समाजवादी पार्टी को मध्य प्रदेश में मौक़ा दिया जाता, तो बिहार और यूपी के स्ट्रक्चर को आगे बढ़ाने और स्वीकार्यता बनाने का अवसर मिलता। लेकिन अभी इसके लिए लंबी लड़ाई की ज़रूरत पड़ेगी, क्योंकि वहां पर ऐसा स्ट्रक्चर खड़ा ही नहीं था।

वास्तव में, इंडिया गठबंधन पहले ही दिन से कई चुनौतियों से जूझ रहा है। जैसे इसके घटक दल कई राज्यों में एक दूसरे के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी हैं और वे एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव भी लड़ते रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न मुद्दों और विषयों पर उनकी राय और स्टैंड भी अलग है। मध्य प्रदेश चुनाव में गठबंधन नहीं होने से अखिलेश यादव पहले ही मोर्चा खोल चुके हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पहले ही कांग्रेस और लेफ्ट से सीट शेयरिंग को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। नीतीश कुमार भी समय-समय पर आंखें दिखाते रहते हैं। ऐसे में कांग्रेस अब घटक दलों के सामने पूरी तरह बेबस और लाचार हो चुकी है।

वहीं यह भी ज़रूरी नहीं कि जो विधानसभा चुनाव में हुआ, वैसा ही लोकसभा में होगा। लेकिन जो चाहते हैं कि सत्ता में बदलाव हो, उनका काम मुश्किल जरूर हो गया है। केंद्र से बीजेपी को हटाना है तो उसे गुजरात से लेकर बिहार तक हराना ज़रूरी है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के पास ले-देकर अभी तीन से चार ही लोकसभा सीटें हैं। यहां पर कांग्रेस के लिए कुछ सीटें जीतना ज़रूरी होगा, लेकिन ये संभावना आज के बाद मुश्किल हो गई है। अगर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस चालबाजी, पैंतरेबाजी और चालाकी करने की बजाय बड़ा दिल दिखाती तो उसे ये आज ये दिन देखने नहीं पड़ते। हो सकता है आने वाले दिनों में इंडिया गठबंधन नये रंग रूप में सामने आए। और इस बात की भी प्रबल संभावना है कि तीसरा मोर्चा अस्तित्व में आ जाए।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि आप परमानंद स्वरूप, कृपा के धाम और मन की कामनाओं को परिपूर्ण करने वाले हैं। हे श्री रामजी! हमको अपनी अविचल प्रेमाभक्ति दीजिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

देहु भगति रघुपति अति पावनि। त्रिबिधि ताप भव दाप नसावनि॥
प्रनत काम सुरधेनु कलपतरु। होइ प्रसन्न दीजै प्रभु यह बरु॥

हे रघुनाथजी! आप हमें अपनी अत्यंत पवित्र करने वाली और तीनों प्रकार के तापों और जन्म-मरण के क्लेशों का नाश करने वाली भक्ति दीजिए। हे शरणागतों की कामना पूर्ण करने के लिए कामधेनु और कल्पवृक्ष रूप प्रभो! प्रसन्न होकर हमें यही वर दीजिए॥

भव बारिधि कुंभज रघुनायक। सेवत सुलभ सकल सुख दायक॥
मन संभव दारुन दुख दारय। दीनबंधु समता बिस्तारय॥

हे रघुनाथजी! आप जन्म-मृत्यु रूप समुद्र को सोखने के लिए अगस्त्य मुनि के समान हैं। आप सेवा करने में सुलभ हैं तथा सब सुखों के देने वाले हैं। हे दीनबंधो! मन से उत्पन्न दारुण दुःखों का नाश कीजिए और (हम में) समदृष्टि का विस्तार कीजिए॥

आस त्रास इरिषाद निवारक। बिनय बिबेक बिरति बिस्तारक॥
भूप मौलि मनि मंडन धरनी। देहि भगति संसृति सरि तरनी॥

आप (विषयों की) आशा, भय और ईर्षा आदि के निवारण करने वाले हैं तथा विनय, विवेक और वैराग्य के विस्तार करने वाले हैं। हे राजाओं के शिरोमणि एवं पृथ्वी के भूषण श्री रामजी! संसृति (जन्म-मृत्यु के प्रवाह) रूपी नदी के लिए नौका रूप अपनी भक्ति प्रदान कीजिए॥

मुनि मन मानस हंस निरंतर। चरन कमल बंदित अज संकर॥
रघुकुल केतु सेतु श्रुति रच्छक। काल करम सुभाउ गुन भच्छक॥

हे मुनियों के मन रूपी मानसरोवर में निरंतर निवास करने वाले हंस! आपके चरणकमल ब्रह्माजी और शिवजी के द्वारा वंदित हैं। आप रघुकुल के केतु, वेदमर्यादा के रक्षक और काल, कर्म, स्वभाव तथा गुण (रूप बंधनों) के भक्षक (नाशक) हैं॥

तारन तरन हरन सब दूषन। तुलसिदास प्रभु त्रिभुवन भूषन॥

आप तरन-तारन (स्वयं तरे हुए और दूसरों को तारने वाले) तथा सब दोषों को हरने वाले हैं। तीनों लोकों के विभूषण आप ही तुलसीदास के स्वामी हैं॥

(क्रमशः...)

कैद में भी सुरक्षित नहीं कैदी

यूपी के अंबेडकर नगर के कुख्यात शूटर अमन सिंह की धनबाद जेल में हत्या हो गई है। रविवार दस दिसंबर को दोपहर तीन बजे अमन सिंह को नौ गोली मारी गई। अमन सिंह धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर की हत्या के मामले में वहां जेल में बंद था। कुख्यात बदमाश मुन्?ना बजरंगी के लिए भाड़े पर हत्?या करने वाला शूटर अमन सिंह यूपी का राजे सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर कादीपुर गांव का रहने वाला था। अमन के करीबी आशीष रंजन और छोटू ने उसकी हत्या की जिम्मेदारी ली है। अमन सिंह पर कुल नौ गोली दागी गईं। इसमें से छह गोली लगी है। तीन गोली निशाने पर नहीं लगी थी। इससे इसकी संभावना बढ़ गई है कि एक से अधिक ने मिलकर गोली मारी है। लापरवाही बरतने वाले जेलर मो. मुस्तकीम अंसारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित एवं स्थानांतरित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई चलाने का निर्देश दिया गया है। अमन की हत्या में प्रयुक्त पिस्टल पुलिस ने धनबाद जेल से बरामद कर ली है। जेल से दो पिस्टल बरामद हुई है। अब सवाल यह उठ रहा है कि जेल में इतनी तगड़ी व्यवस्था होने के बावजूद जेल में हथियार पहुंचा कैसा घटना के बाद तलीशी में जेल से आठ की हजार नगदी समेत आधा दर्जन मोबाइल बरामद हुए जबकि दो दिन पहले जेल की तलाशी में सुब कुछ ठीक-ठाक मिला था। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की खंडपीठ ने धनबाद जेल में बंद कुख्यात अपराधी अमन सिंह की गोली मारकर हत्या करने के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। खंडपीठ ने इस मामले में राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। चीफ जस्टिस की अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा हैअदालत ने राज्य सरकार से घटना को लेकर पूछा कि जेल में हथियार कैसे पहुंच गए। जेल की सुरक्षा में चूक का कारण क्या है।

दिल्ली की राजधानी की अति सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाड़ जेल में भी कैदी सुरक्षित नही हैं। इस जेल में गैंगवार में अप्रेल- मई 2023 के 18 दिन में दो कैदी कत्ल कर दिये गए। सीसीटीवी कैमरों से लैस हाई सिक्योरिटी सेल में घुसकर चार बदमाशों ने दिल्ली-एनसीआर के कुख्यात गैंगस्टर सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया की बेरहमी से हत्या कर दी। जितेंद्र मान उर्फ गोगी गैंग से जुड़े बदमाशों ने हाई सिक्योरिटी सेल की पहली मंजिल की ग्रिल काटी। इसके बाद बेडशीट के सहारे नीचे उतरकर आरोपियों ने टिल्लू के कमरे में ग्रिल के सरिये से बनाए गए सुए से धावा बोल दिया। हाथ में सुए लिए

कैसे हो कैदियों की सुरक्षा। आज न कैदी जेल में सुरक्षित है, न न्यायालय में, न ही पुलिस कस्टेडी में। हर कैदी को जीवन के जीने का अधिकार है। शासन की जिम्मेदारी है कि उसे पूरी सुरक्षा दें। वह पुलिस हिरासत में हो या जेल मे पूरी तरह सुरक्षित रहे। सुरक्षित महसूस करे, किंतु आज इसके विपरित नजारा है। और जेल की तो बात क्या देश की सबसे सुरक्षित धनबाद की झारखंड और दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैदी कत्ल हो रहे हैं। पुलिस कस्टेडी में कैदियों की सरेआम हत्या हो रही है। न्यायालय परिसर में ही नही, न्यायधीश के कक्ष तक में कैदी कत्ल हो जाते हैं। सवाल यह है कि इन कैदियों की सुरक्षा कैसे हो। इनकी हत्याओं पर कैसे रोक लगे?

सभी बदमाशों ने टिल्लू पर एक के बाद एक 90 से अधिक वार किए। जब तक जेल प्रशासन को पता चला तब तक बहुत देर हो चुकी थी।हमले के दौरान टिल्लू को बचाने आया रोहित नाम का कैदी भी जख्मी हो गया। जेल प्रशासन टिल्लू और रोहित दोनों को नजदीकी डीडीयू अस्पताल ले गया, जहां टिल्लू को मृत घोषित कर दिया गया। टिल्लू की दिन-दहाड़े हुई हत्या के बाद तिहाड़ जेल की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी बरार ने फेसबुक पोस्ट कर हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है।उसने अपने पोस्ट में लिखा है कि उन्होंने टिल्लू की हत्या कर जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या का बदला ले लिया है 14 अप्रैल 2023 को जेल नंबर तीन में प्रिंस नामक कैदी की बॉबी, अता-उर-रहमान और विनय नामक कैदियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। यह हत्या भी गैंगवार का नतीजा बताई गई थी।उस समय भी तिहाड़ की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हुए थे।हत्या, हत्या के प्रयास व अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर गोगी गैंग के चार बदमाश दीपक उर्फ तितर (31), योगेश उर्फ टुंडा (30), राजेश (42) और रियाज खान (39) को औपचारिक रूप से इस मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया (33) वर्ष हत्या, हत्या के प्रयास, मकोका, पुलिस टीम पर हमला और बलवा करने के करीब 11 मामलों में 2016 से जेल में बंद था। वह तिहाड़ जेल नंबर-8 के हाई सिक्योरिटी सेल में ग्राउंड फ्लोर पर था। जेल प्रशासन पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह उसकी सेल खोलने की तैयारी चल रही थी। इस बीच करीब 6.10 बजे पहली मंजिल पर बंद चारों कैदी दीपक उर्फ तितर, योगेश उर्फ टुंडा, राजेश और रियाज खान ने उस पर हमला बोल दिया। सेल में ही मौजूद कैदी रोहित ने टिल्लू को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उस पर भी हमला किया। आरोपियों का इरादा भांपकर रोहित को जान बचाकर वहां से भाग गया।

ये जेल ये हालात हैं।ऐसी ही स्थिति कमोबेश न्यायालय परिसर की है। 24 सितंबर 2021 को दिल्ली के रोहिणी कोर्ट रूम में टिल्लू गैंग के शूटरों ने जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या कर दी थी।जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान टिल्लू गैंग के दो शूटरों को मार गिराया था। 16 अगस्त 2022 को उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले का न्यायालय परिसर के गेट पर बदमाशों ने हरियाणा से पुलिस कस्टडी में आये लखन नामक कैदी की अंधाधुंध फायर कर हत्याकर दी थी। इससे पहले भी इसी न्यायालय परिसर में राका नाम के एक बदमाश की कचहरी में हत्या की गई थी। 19 दिसंबर 2019 को उत्तर प्रदेश के बिजनौर की एक दोहरे हत्याकांड के आरोपी शहनवाज अंसारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या उस समय की गई जब आरोपी को बिजनौर जिला कोर्ट में सीजेएम के सामने पेश किया गया था। गोली लगने से शहनवाज अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई। आज तो हालत यह है कि पुलिस अभिरक्षा में आते-जाते कैदी भी सुरक्षित नहीं। 13 अप्रेल 2023 में प्रयागराज में मेडिकल के भारी पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल लाते माफिया अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या की गई। 20 दिसंबर 2021 को राजस्थान के जोधपुर पेशी से लौट रहे एक आरोपी सुरेश सिंह को पुलिस कस्टडी में ही बदमाशों ने गोलियों से भून दिया। तिहाड़ जेल में आरोपियों ने उस ब्लैक स्पाट को चुना जहां सीसीटीवी कैमरे नही हैं। दरअस्ल अपराधी बहुत चतुर हैं।उन्हें पता है कि कहां कैमरे लगे हैं,कहां नहीं।यक्ष प्रश्न यह भी है कि कैमरे लगी तिहाड़ जेल में कैदी सरिए को घिस पर सुंआ बनाते रहे और जेल प्रशासन को पता ही नही चला।

कैदियों के साथ जेल में पहले बहुत मारपीट और अमानवीय व्यवहार होता था। उनके मानवाधिकार को देखते हुए जेल में कैमरे लगाये गए।कैमरे लगने के बाद क्यों ऐसी घटनांट होती हैं, ये जेल स्टाफ और जले प्रशासन की लापरवाही साबित करने के लिए काफी है।

इन सब घटनाओं को देखते हुए आज जरूरत है कि जेल,पुलिस अभिरक्षा और न्यायालय परिसर में कैदियों की सुरक्षा पर फिर से मंथन हो। विशेषज्ञ बैठें और मंथन करें कि कैसे कैदियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएं। जेल में गैंगवार रोकने के लिए यह भी सुनिश्चित किया जाए कि एक जेल में दो प्रति स्पर्धी गैंग रहें। जेल आते-जाते कैदियों के सुरक्षा घेरे में कोई बाहरी व्यक्ति प्रवेश न करें।कैदियों के मीडिया के बात करने पर सख्ती से रोक हो।न्यायालय परिसर में भी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यह ध्यान रहे कि कस्टेडी में कैदी की सुरक्षा की जिम्मेदारी,पुलिस, प्रशासन,न्यायपालिका के साथ सरकार की भी है। गिरफ्त में आने के बाद बड़े से बड़ा चौकस कैदी भी सुरक्षा के लिए प्रशासन पर निर्भर हो जाता है,ऐसे सुरक्षा में लापरवाही उसके कत्ल कराने के लिए जिम्मेदार होती है।

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राशिफल

मार्गशीर्ष कृष्ण-द्वादशी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शारीरिक और मानसिक परेशानी आपको परेशान करेगी। प्रेम और संतान में दूरी बनी रहेगी।

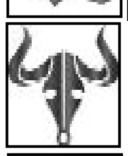

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
सरकारी तंत्र से कुछ परेशानी का अनुभव करेंगे। पिता के स्वास्थ्य में थोड़ी कठिनाइयों का सामना होगा।

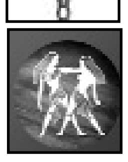

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
संतान की स्थिति ठीक-ठाक। व्यापारिक दृष्टिकोण से अच्छा समय कहा जा सकता है।

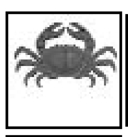

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आप घर से बाहर निकलते समय बहुत सावधान रहिए। आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

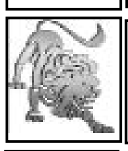

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
अपने स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम- संतान भी मध्यम है।

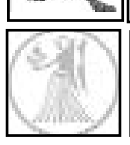

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रु परास्त करने वाला होगा लेकिन परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य में भी नरम- गरम रहेगा। प्रेम- संतान की स्थिति मध्यम है।

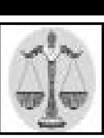

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक कलेश का समय। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू- तू, मैं- मैं संभव है। स्वास्थ्य करीब- करीब ठीक रहेगा।

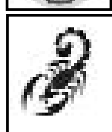

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी पर खलल पड़ेगा। स्वास्थ्य मध्यम।

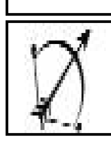

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कंधे में परेशानी या नाक, कान, गले में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम- संतान की स्थिति ठीक है।

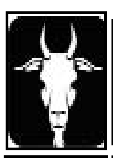

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुबान विवादस्पद हो सकती है। जुआ, सट्टा लॉटरी में नुकसान संभव है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा लेकिन मुख रोग के शिकार हो सकते हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
कभी खुश रहेंगे तो कभी अवसादग्रस्त रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

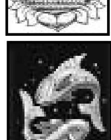

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। शीघ्र ही आपको बच्चों के प्रति शुभ समाचार मिल सकता है।

तुगलपुर में हुई शिक्षक संघ की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्राथमिक शिक्षक संघ की जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी, तहसील एवं संघर्ष समिति की एक मासिक बैठक जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा की अध्यक्षता में शिक्षक भवन तुगलपुर में आयोजित की गयी। बैठक में पुरानी पेंशन, गैर जरूरी आदेशों का विरोध एवं जनपद की विभिन्न समस्याओ पर चर्चा की गयी।

शिक्षक भवन में नवनियुक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष भाजपा गजेंद्र मावी एवं ब्लॉक प्रमुख दादरी बिजेन्दर भाटी का जिला की समस्त कार्यकारिणी द्वारा स्वागत किया गया। मेरठ मंडल के निर्विरोध निर्वाचित मेघराज भाटी का भी स्वागत किया। राज्यपाल पुरुस्कार प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन करने वाली श्रीमती गीता यादव का जिला अध्यक्ष भाजपा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला कार्यकारिणी द्वारा बुके द्वारा सम्मान किया गया।

जिला अध्यक्ष भाजपा गजेंद्र मावी ने शिक्षक को गुरु मानते हुए शिक्षक हित में प्रत्येक स्तर पर साथ देने की बात कही। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा शिक्षक हित में सम्मान सहित कार्य करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष मेघराज भाटी, जिलाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिलामंत्री गजन भाटी, जिला संरक्षक मुनीराम भाटी, अशोक शर्मा, वरि जिला उपाध्यक्ष बलेराम नागर, कपिल नागर, उपाध्यक्ष अतुल उपाध्याय, सतीश नागर, अमर भाटी, बृजेश पाल, हेमंत कुमार, रजनी यादव, श्वेता वर्मा, राजयपाल पुरुस्कार से सम्मानित श्रीमती गीता यादव, संयुक्त/संघठन मंत्री मीना यादव, सरिता यादव, भागवत स्वरूप शर्मा, ठाकुर विनोद,राजीव शर्मा, मो असलम, प्रचार मंत्री संजय शर्मा वीरपाल माला बजाज, मीडिया प्रभारी अरविन्द शर्मा, ब्लॉक वरि उपाध्यक्ष भूपेंदर नागर, ब्लॉक दनकौर से सतीश पीलवान, प्रीती पांडेय, गजराज, राजन मलिक, तहसील प्रभारी समरेश रावल, रामकुमार शर्मा, उदय चंद, सहप्रभारी जगवीर शर्मा प्रवीण भाटी आदि उपस्थित रहे।

मंथन ब्रेकफेट गोष्ठी सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आईआईए ग्रेटर नोएडा के उद्यमियों ने 'आईजीएल के

अधिकारियों से 'मंथन ब्रेकफेट गोष्ठी' में पीएनजी कनेक्शन आपूर्ति, बजट, टाइम फ्रेम आदि बिंदुओं पर की गई।

आईजीएल से अमित नांगिया लगभग 9:30 पर अपनी टीम सहित पधारे। विभागीय अहरताएं, उचित कार्य संपादन, अग्रिम अनुमति आदि , पीएनजी कनेक्शन लेने में जरूरी कागजात, बजट, कनेक्शन लेने में लगने वाले समय, कनेक्शन लेने के बाद यदि उपभोग नही कर रहे, तो कम से कम कितना बिल देय होगा? आदि अन्य विषयों पर बात हुई। गोष्ठी में चैप्टर चेयरमैन राकेश बंसल, विशारद गौतम, सरबजीत सिंह, सर्वेश गुप्ता, अमित शर्मा, जेड रहमान, मुकेश अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, विजय गोएल, सोमेश कौशिक, पी पी शर्मा, हिमांशु पांडे सहित 50 से अधिक उद्यमियों ने प्रतिभाग किया।

स्कॉलर ने प्रकाशित किये कई विषयों पर कॉपीराइट

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस सहयोग इंजीनियरिंग स्कूल

ऑफ इनफार्मेशन सहयोग कम्युनिकेशन टेक्नोलोग्य की रिसर्च स्कॉलर तराना सिंह ने कई विषयों पर कॉपीराइट प्रकाशित किया। उनके प्रकाशित कार्य का उद्देश्य स्मार्ट घरों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का उपयोग करके ऊर्जा अनुकूलन करना है जो भारत जैसे विकासशील देशों की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ और हरित समाधान प्रदान करता है।

युवा शोधकर्ता ने इस प्रकाशन पर अपने सुपरवाइजर संजय कुमार शर्मा डीन स्कूल ऑफ इनफार्मेशन कम्युनिकेशन एवं टेक्नोलॉजी और डॉ. अरुण सोलंकी असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग गौतमबुद्धा यूनिवर्सिटी का आभार व्यक्त किया।

'शोषितों व वंचितों के मसीहा थे डा. अंबेडकर'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) ने डा. भीमराव अंबेडकर को

श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) के दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपबास का कहना है कि डॉ भीमराव अंबेडकर बहुत ही सरल स्वभाव के इंसान थे। वह हर जाति का सम्मान करते थे।

उन्होंने वंचितों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उनके हक की लड़ाई की थी। वे शोषितों व वंचितों के मसीहा थे। ऐसी पुण्य आत्माएं सदियों में जन्म लेती हैं। उनके कार्य को आज भी लोग याद करते हैं।

इस मौके पर दादरी एसडीएम आलोक कुमार गुप्ता शशि भूषण तिवारी राजेंद्र सिंह मिंटू कुमार शाहरुख खान सत्येंद्र यादव सुधीर नरेंद्र कुमार अमित कुमार मुकेश कुमार सोनू कुमार अनिल कुमार राजेश भाटी एडवोकेट सत्य प्रकाश आरके,शालिनी विपिन कुमार सतबीर एडवोकेट राजीव बिष्ट राव योगेश भाटी एडवोकेट बबली अनिल कुमार आदि मौजूद थे।

ऑटो चालक निकला बदमाश पुलिस पर फायरिंग करके भागा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में वाहनों की चेकिंग कर रही पुलिस पर एक ऑटो चालक फायरिंग करके भाग निकला। पुलिस ने ऑटो चालक चालक का पीछा किया और ऑटो चालक को घेर लिया। ऑटो चालक और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस की गाली लगने से ऑटो चालक गंभीर रुप से घायल से घायल हो गया। पता चला कि पुलिस पर फायरिंग करते वक्त ऑटो में चालक के साथ उसके तीन साथी भी सवार थे।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की शाम नोएडा की थाना सेक्टर-39 पुलिस टीम सेक्टर-105 नोएडा के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक ऑटो को रोकने का इशारा किया तो ऑटो चालक ने ऑटो को ना रोकते हुए पुलिस टीम पर फॉयरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। जिस पर पुलिस ने भी जवाबी कार्यवाही करते हुए ऑटो चालक पर फायरिंग की। पुलिस की गोली लगने से ऑटो चालक घायल हो गया। जिसकी पहचान आमिर पुत्र जीशान निवासी मैदान गढी, लावण्या टी पॉइंट, छतरपुर, दिल्ली के रुप में हुई है। जानकारी करने पर पता चला कि ऑटो चालक शातिर अपराधी है। पैर में गोली लगने के कारण घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है।

कालकोठरी में गया नाबालिग से दरिंदगी करने वाला, कोर्ट ने सुनाई कठोर सजा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा सूरजपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से रेप के मामले में आरोपी व्यक्ति पर दोष सिद्ध होने के बाद

नोएडा (गौतमबुद्धनगर जनपद) कोर्ट ने 10 साल की कठोर कारावास और 30 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। इसी मामले में तीन महिलाओं समेत सात अन्य लोगों को भी चार चार साल के कठोर कारावास और पांच-पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा के थाना सूरजपुर क्षेत्र में एक नाबालिग का अपहरण करके दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी जसबीर समेत गुड़िया उर्फ नाजरीन, पूजा, किरण, धर्मराज, कबूल, नवाब व रुपकिशोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी।

आपको बता दें कि यूपी के डीजीपी द्वारा चलाये जा रहे अभियान "OPERATION CONVICTION" के अंतर्गत पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में थाना बादलपुर पुलिस व अभियोजन इकाई की प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरूप थाना बादलपुर पर पंजीकृत मु.अ.सं. 522/2021 धारा 363, 366क, 368, 370क, 376क भादवि व 3/4/16/17 पॉक्सो एक्ट मामले की कोर्ट में सशक्त पैरवी गई।

जिसके फलस्वरुप शुक्रवार को कोर्ट ने धारा 363, 366क, 368, 370क, 376क भादवि व 3/4/16/17 पॉक्सो एक्ट में अभियुक्त जसवीर को 376(1) का दोषी पाते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास व 30,000 के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। इसी मामले में आरोपित गुड़ियां ऊर्फ नाजरीन, पूजा, किरण, धर्मराज, कबूल, नवाब तथा रूपकिशोर को धारा 370क(2) भादवि का दोषी पाते हुए 4-4 वर्ष के कठोर कारावास व 5000-5000 रुपए के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है।

पृष्ठ एक के शेष....

आयरन लेडी लक्ष्मी सिंह ने ....

महिला हेल्प डेस्क व पिंक बूथ की स्थापना की गई। इसके फलस्वरूप वर्ष 2023 में वर्ष 2022 के सापेक्ष दहेज हत्या में 14 प्रतिशत, छेड़खानी में 44 प्रतिशत, अपहरण में 38 प्रतिशत व महिला उत्पीडन के मामलों में 5 प्रतिशत की कमी आई है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा चिन्हित माफियाओं व अपराधियों के विरुद्ध अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही करते हुए वर्ष 2023 में 39 मामलों में 81,87,70,319 रुपए मूल्य की संपत्ति को कुर्क किया गया एवं लगभग 23 करोड़ के कार्यवाही प्रचलित है जोकि पूरे में प्रदेश में नंबर एक है।

इन मामलों में नोएडा पुलिस नंबर वन

पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए गए operation conviction के तहत गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए 640 मुकदमों में 763 अभियुक्तों को सजा कराई गई। जोकि पूरे प्रदेश में नंबर-1 है। ऑपरेशन दृष्टि के अंतर्गत तीनों जॉन में 31332 सीसीटीवी कैमरों का अधिष्ठापन किया जा चुका है। जोकि पूरे प्रदेश में नंबर-1 है।

साइबर अपराध

साइबर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए 26 विभिन्न सक्रिय गैंग के 356 अपराधी गिरफ्तार किए गए एवं 254 कंप्यूटर/लैपटॉप, 711 मोबाइल, 58 इंटरनेट कनेक्शन डिवाइस, 2.5 करोड़ रुपए नगद व 83 वाहन बरामद किए गए। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा साइबर से संबंधित पीड़ितों को 2 करोड़ 22 लाख 55 हजार रुपए पीड़ितों को वापस दिलाए गए। सरकार को हजारों करोड़ रूपये की राजस्व क्षति पहुचाने वाले जीएसटी नम्बर सहित फर्जी फर्म तैयार करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया गया, राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाले अर्न्तराज्य गैंग के 28 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिनसे 14 लाख रूपये नगद, 26 कम्प्यूटर, 3000 फर्जी फर्मों की सूची, 650 लाख व्यक्तियों का पैनडाटा, 60 फर्जी आधार कार्ड, 50 फर्जी सिम कार्ड, 50 इनवॉइस बिल, 2645 करोड आईटीसी एवं करीब 06 करोड़ धनराशि अभियुक्तों/संदग्धिों के बैंक अकाऊट में फ्रीज करायी गयी है।

कॉल सेंटरों का भंडाफोड

गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा फर्जी कॉल सेंटर संचालित करने वाले 23 गैंग का पर्दाफाश करते हुऐ गैंग के 293 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया जिनके कब्जे से 203 कम्प्यूटर, 32 लैपटॉप, 144 मोबाईल, 208 सिम, 45 एटीएम, 60 आधार कार्ड, 4 कार, 2 बाईक, 41 लाख 86 हजार रूपये एवं अन्य कम्प्यूटर एसेसीरिज बरामद किये गये।

गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा 4 गैंग जाली करैंसी बनाने वालें का पर्दाफाश करते हुए 17 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 8 करो? 88 लाख 74 हजार रूपये की नकली करेन्सी बरामद मय जाली करेन्सी बनाने वाले उपकरणों सहित बरामद की गई

मादक पदार्थ तस्करों पर शिकंजा

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए एंटी नारकोटिक्स सेल की स्थापना की गई जिसके फलस्वरूप नारकोटिक्स के मामलों में कमी आने के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले बड़े बड़े गैंग का पर्दाफाश किया गया। 12 विदेशी नागरिकों को 76.900 किलोग्राम मैथाफीटामाइन MDMA ड्रग्स जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत 350 करोड़ रुपये, ड्रग्स बनाने के उपकरण व रॉ मेटिरियल जिससे लगभग 130-140 करोड़ रूपये की ड्रग्स तैयार की जा सकती है, कुल 480 करोड का मैथाफीटामाइन मैथ ड्रग्स व 04 कार, 13 मोबाइल, एक डोंगल व चार पासपोर्ट के साथ गिरफ्तार किया।

01.01.2023 से 30.11.2023 तक 3965 किलोग्राम गांजा, 103 किलोग्राम चरस, 77 किलोग्राम MDMA drugs, 148 किलोग्राम कोकीन व 1.610 किलोग्राम डोडा बरामद किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा गोष्ठी के दौरान संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में नशे के जाल में फंसे युवाओं को निकालने व उनकी काउंसलिंग के लिए प्रशिक्षित चिकित्सक की टीम को डी एडिक्शन सेंटर(नशामुक्ति केंद्र) नियुक्त किया जाय ताकि युवाओं को नशे से बचाया जा सके।

कांग्रेसियों ने मनाया....

महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में सेक्टर 58 स्थित कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गाँधी के 77वें जन्मदिन पर केक काटकर व लड्डू व फल एवं फ्रूटी आदि खाद्य सामग्री वितरित कर हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने कहा है कि हम सब कांग्रेस कार्यकर्ता सोनिया गाँधी जी के लिए भगवान से दीर्घायु की कामना करते है।

इस अवसर पर एआईसीसी सदस्य बबली नागर ने कहाँ कि सोनिया गांधी हमारी कांग्रेस पार्टी की धुरी है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर,एआईसीसी सदस्य बबली नागर,पीसीसी सदस्य देवेन्द्र भाटी,उपाध्यक्ष व पीसीसी सदस्य रिज़वान चौधरी,उपाध्यक्ष हरेंद्र शर्मा, महासचिव जितेंद्र चौधरी महासचिव सोनू प्रधान,अरुण टोंगर,रोहित चौहान,विकास कुमार अवनिष तंवर,शिव कुमार तंवर,नवदीप चौधरी,राकेश यादव,जीशान चौधरी, कमरुद्दीन,नीरज, दीपक,मुनेश सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'मुआवजा वितरण घोटालों में ....

ऐसे लोगों की भी एसआईटी द्वारा गहनता से जांच कराई जाए। जांच में पाये जाने वाले दोषी अफसरों की संपित्तयों की भी जांच की जाए तथा उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर उनकी संपत्तियों की नीलामी कर घोटाले की रकम वसूली जाए।

किसान संगठनों को एकजुट ....

बनाकर किसानों की मांगों को प्रमुखता से उठाकर उन्हें पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए भारतीय किसान यूनियन सहित क्षेत्र के विभिन्न किसान संगठनों से वार्ता कर आगे की रणनीति बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारतीय किसान यूनियन मंच इसकी पहल करने जा रहा है।

अंत्योदय कार्ड धारकों को....

3 किलो चीनी बांटी जा रही है। गृहस्थी कार्डधारकों को चीनी नहीं मिल रही है। इसलिए ऐसे कार्ड धारक राशन डीलरों के साथ विवाद करने से बचें। इसके अलावा राशन वितरण में यदि कोई शिकायत है तो वह जिला पूर्ति के कार्यालय तथा प्रशासन को करें।

खेल उत्सव में बच्चों ने....

माउंट लिटेरा के साथ मिलकर सम्पन्न किया गया। बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।

इस मौके पर नंद नारायणी किडजी के संचालक अंकुर अग्रवाल, श्रीमती नीति अग्रवाल, माउंट लिटेरा स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती इंदु शर्मा, द लर्निंग स्पेस संस्था के संस्थापक विक्रम केशरवानी भी उपस्थित रहे।

सोसायटी फ्लैट में चोरी करने वाले दबोचे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से नगदी व चोरी किए गए जेवरात तथा अन्य सामान बरामद हुआ है। आरोपियों ने बीते दिनों एक सोसायटी में फ्लैट का ताला तोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर ईटेड़ा गोल चक्कर के पास से मोहम्मद सैलेन उर्फ कोनेन व मुबारक को गिरफ्तार किया। तलाशी में उनके पास से चांदी की एक ब्रिक 77960 रुपए चोरी की घटना में प्रयुक्त चाबियां पेचकश व अन्य सामान बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों ने सेंचुरियन पार्क सोसायटी के फ्लैट का ताला तोड़कर नगदी जेवरात व चांदी के सिक्के चोरी किए थे। दोनों चोरों ने चोरी की कई अन्य वारदातों को भी अंजाम देना स्वीकार किया है।

मोबाइल लुटेरे को दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के सी ब्लॉक में एक व्यक्ति से मोबाइल फोन लूटकर भाग रहे बदमाशों की बाइक असंतुलित होकर गिर गई। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने एक बदमाश को पकड़ लिया जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया।

गाजियाबाद निवासी अनिल चौधरी पुत्र घसीटाराम बीती शाम सेक्टर-63 के सी ब्लॉक से जा रहे थे। इस दौरान मोबाइल फोन पर अपने किसी परिचित से बात कर रहे थे पीछे से बाइक पर आए दो बदमाश उनका मोबाइल फोन झपटकर भाग निकले। अनिल चौधरी ने शोर मचाकर उनका पीछा किया जिस कारण बदमाश हड़बड़ा गए और उनकी बाइक असंतुलित होकर गिर गई। आसपास के लोगों ने एक बदमाश को दबोच लिया। जबकि दूसरा बदमाश मौके से फरार हो गया।

थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि पकड़े गए बदमाश की पहचान गाज़ीपुर दिल्ली निवासी आकाश के रूप में हुई है पुलिस इसके फरार साथी की तलाश कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पूर्वोत्तर रेलवे — ई-ऑक्शन आमंत्रण सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल पर वाणिज्य विज्ञापन ई-ऑक्शन (विनायल स्टीकर के माध्यम से) मेल एक्सप्रेस के सभी कोचों के बाह्य एवं भीतरी भाग पर 03 वर्ष के लिए विज्ञप्ति सूचना वाणिज्य विज्ञापन हेतु निविदा आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-AUCTION MODULE) पर उपलब्ध है। विवरण निम्नवत है-

क्रम सं.	ऑक्शन सूचना सं.	गाड़ी सं.	कहां से	कहां तक	ऑक्शन लॉट बन्द होने की तिथि व समय
1	ADVT-EFF-129409-22-2 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	12533/ 12534	लखनऊ	छत्रपति शिवाजी टर्मिनल	दिनांक 22.12.2023 को 13:30 बजे
2	ADVT-EFF-131324-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	15023/24	गोरखपुर	यशवंतपुर	दिनांक 22.12.2023 को 13:40 बजे
3	ADVT-EFF-131328-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	15022/21, 15029/30	गोरखपुर	शालीमार	दिनांक 22.12.2023 को 13:50 बजे
4	ADVT-EFF-131231-23-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	12587/88, 15097/98	गोरखपुर/ भागलपुर	जम्मूतवी	दिनांक 22.12.2023 को 14:00 बजे
5	ADVT-EFF-131329-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	15028/27	गोरखपुर	हटीया	दिनांक 22.12.2023 को 14:10 बजे
6	ADVT-EFF-131240-23-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	15005/06, 15001/02	गोरखपुर	देहरादून	दिनांक 22.12.2023 को 14:20 बजे
7	ADVT-EFF-131267-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	15057/58, 15025/26	गोरखपुर/ मऊ	आनन्द विहार	दिनांक 22.12.2023 को 14:30 बजे
8	ADVT-EFF-131316-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	15009/10 15048/47 15050/49 15052/51	गोरखपुर	कोलकत्ता/ मैलानी	दिनांक 22.12.2023 को 14:40 बजे
9	ADVT-EFF-131911-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	15054/53 15083/84	लखनऊ	छपरा/फर्रूखाबाद	दिनांक 22.12.2023 को 14:50 बजे
10	ADVT-EFF-131329-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	12511/12 12589/90 12591/92	गोरखपुर	त्रिवेन्द्रम/ सिकंदराबाद/ यशवंतपुर	दिनांक 22.12.2023 को 15:00 बजे
11	ADVT-EFF-131329-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	12535/36 12593/94	लखनऊ	रायपुर/भोपाल	दिनांक 22.12.2023 को 15:10 बजे
12	ADVT-EFF-131329-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	22537/22538 15017/18	गोरखपुर	लोकमान्य तिलक टर्मिनल	दिनांक 22.12.2023 को 15:20 बजे
13	ADVT-EFF-131329-22-1 (Advertising-Train Exterior (Full Face))	12555/56 15004/03	गोरखपुर	भटिंडा/कानपुर अनवरगंज	दिनांक 22.12.2023 को 15:30 बजे

• ठेके की अवधि : 03 वर्ष, • Website Address : www.ireps.gov.in (E AUCTION MODULE).
मुजाधि/वाणिज्य-202 | गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें | DRM/C/LJN

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर न0: पी0आर0वाई0 जे0-सिग-415-2023-24 | दिनांक: 01.12.2023

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता / समन्वय/ उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 27.12.2023 को 15:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है।

क्रम सं. 01 | **निविदा संख्या:** पी0आर0 वाई0 जे0 -सिग- 415- 2023- 2024

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के टूंडला से गाजियाबाद सेक्शन में सी0टी0आर/टी0आर0 आर/टी0एस0आर कार्यों के दौरान सिग्नलिंग वर्क का निष्पादन।

अनुमानित मूल्य (रुपये में): Rs. 6741014.50/- (सरसठ लाख इकतालीस हज़ार चौदह रुपए और पचास पैसा मात्र), **निविदा प्रतिभूति/धरो हर राशि (रुपये में):** 134800.00

कार्य समापन की अवधि: 12 माह | **निविदा बंद होने/खुलने की तिथि:** 27.12.2023

2. **निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता:** निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।, 3. **बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप:** निविदाओं में निर्धारित उपरोक्त धरोहर राशि निविदा प्रपत्र के साथ जमा की जाएगी। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतः अस्वीकृत कर दी जाएगी।, 4. **निविदा खुलने का समय, तिथि एवं स्थान:** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 15:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मंडल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी।, 5. **निविदा की वैधता:** निविदा खुलने के 60 दिन तक।, 6. **निविदा सम्बंधित रेलवे के अधिकार:** रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 1960/23 (P)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPRONCR

विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

आगामी शीत ऋतु के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित इकतरफा विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ियां निम्न समय-सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी :-

04560 बठिण्डा – गोरखपुर इकतरफा विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04560 प्रस्थान	आगमन
बठिण्डा	20:55	--
गोरखपुर	–	18:00

चलने के दिन : 04560 बठिण्डा से दिनांक 11.12.2023 (सोमवार) को।
स्थान :– 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव:– रामपुरा फूल, बरनाला, धूरी, पटियाला, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा और बस्ती स्टेशन

04436 आनन्द विहार ट. – भागलपुर इकतरफा विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04436 प्रस्थान	आगमन
आनन्द विहार टर्मिनल	22:45	--
भागलपुर	–	23:00

चलने के दिन : 04436 आनन्द विहार ट. से दिनांक 11.12.2023 (सोमवार) को।
स्थान :– 2 टियर वाता., 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव:– मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, सुल्तानपुर, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, किऊल और जमालपुर स्टेशन

04007 दिल्ली सराय रोहिल्ला – इंदौर जं. इकतरफा विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 04007 प्रस्थान	आगमन
दिल्ली सराय रोहिल्ला	21:25	--
इंदौर जं.	–	15:30

चलने के दिन : 04007 दिल्ली सराय रोहिल्ला से दिनांक 11.12.2023 (सोमवार) को।
स्थान :– 3 टियर वाता, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव:– अलवर जं., जयपुर जं., अजमेर जं., भीलवाड़ा, चंदेरिया, चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, नीमच, रतलाम जं. और लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों और समय-सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | रेलमदद वेबसाइट देखें:- www.railmadad.indianrailways.gov.in | रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

3875/23 | आज़ादी का अमृत महोत्सव | उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | पर हमें फॉलो करें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नाबालिग की इच्छा के विरुद्ध संरक्षण गृह में रखना गलत : हाईकोर्ट

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। इस फैसले के तहत किसी भी नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध राजकीय बालिका संरक्षण गृह या किसी भी अन्य संरक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने इसी के साथ राजकीय बालिका संरक्षण गृह में रखी गई पीड़िता को उसके पति के साथ जाने की अनुमति दे दी है। साथ ही पति के खिलाफ दर्ज अपहरण और रेप का मुकदमा रद्द कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी ने जालौन के मनोज कुमार उर्फ मोनू कठेरिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। जानकारी के मुताबिक मोनू कटारिया ने याचिका में उसके खिलाफ उरई में दर्ज अपहरण, रेप और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमे में दाखिल चार्ज शीट रद्द करने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता का कहना था कि याची के खिलाफ यह मुकदमा पीड़िता की मां ने दर्ज कराया है। जबकि वास्तविकता यह है कि पीड़िता के साथ उसका प्रेम संबंध था और दोनों ने अपनी मर्जी से शादी कर ली। लेकिन मेडिकल रिपोर्ट में पीड़िता की आयु 16 वर्ष बताए जाने के आधार पर पीड़िता को राजकीय बालिका संरक्षण गृह भेज दिया गया और मोनू को इस मामले में जेल जाना पड़ा। बाद में हाईकोर्ट से उसकी जमानत हो गई। कहा गया कि मुकदमा दर्ज कराने के बावजूद पीड़िता की मां ने उससे अभिरक्षा में लेने से इनकार कर दिया, जिससे उसे संरक्षण गृह भेजना पड़ा। संरक्षण गृह में पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म भी दिया। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान में अपनी आयु स्पष्ट रूप से 19 वर्ष बताई है। कहा गया कि याची पीड़िता का पति होने के कारण उसे अभिरक्षा में लेने के लिए अधिकृत है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के कई निर्णय का हवाला दिया कहा कि इस स्थिति में यदि पीड़िता नाबालिग भी है, तब भी उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध संरक्षण गृह में नहीं रखा जा सकता है। इस न्यायालय की राय में पीड़िता की आयु 18 वर्ष से अधिक की है। पीड़िता ने एक बच्चे को भी जन्म दिया है। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं इसलिए कोर्ट ने पीड़िता की कस्टडी उसके पति मोनू कठेरिया को सौंपने का निर्देश देते हुए मोनू के खिलाफ चल रहे मुकदमे की कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

वामपंथियों पर बड़ा आरोप, हिंदुओं से शादी करने मुस्लिम महिलाओं के अपहरण में मदद कर रहे

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन जाने माने मुस्लिम जानकार की बात पर भड़क उठे। उन्होंने कहा कि लेफ्ट पार्टियां अंजरजातीय मैरिज ब्यूरो नहीं चला रही है। दरअसल, समस्त केरल जमियत्तुल उलेमा सुन्नी युवजन संगम के सचिव नजर फैजी कुडथयी ने दावा किया था कि वामपंथी संगठन हिंदू समुदाय में शादी के लिए मुस्लिम महिलाओं के अपहरण में मदद कर रहे हैं। अंगामली में विजयन ने अंतरजातीय शादियों का समर्थन किया है। उनका कहना है कि अगर एक पुरुष और महिला प्यार करते हैं, पसंद करते हैं और वे शादी करना चाहते हैं, तब उन्हें कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने पलटवार कर कहा कि वामपंथी संगठन इंटरकास्ट मैरिज ब्यूरो नहीं चला रहे हैं। इस्लामिक जानकार ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर शादियां कराने पर लेफ्ट संगठनों पर निशाना साधा था। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा था, कुछ लोगों को लगता है कि मुस्लिम और हिंदू समुदाय में शादियां धर्मनिरपेक्षता है। वे बड़े स्तर पर अंतरधार्मिक विवाह का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने लेफ्ट के नेताओं को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, पार्टी के नेता भी इसका समर्थन कर रहे हैं और पार्टी के दफ्तरों का इस्तेमाल इन कामों में हो रहा है। युवा मुस्लिम लड़कियों को एएफआई, डीवॉयएफआई और सीपीएम की मदद से अगवा किया जा रहा है और गैर-मुसलमानों में उनकी शादी कराई जा रही है। जो लोग मुस्लिम महिलाओं की पहचान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ महल्लु समितियों को सतर्क रहना चाहिए।

बिलेश्वर स्टेशन के निकट वंदे भारत ट्रेन पर पथराव, गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी कर रहे थे यात्रा

राजकोट। सुपरफास्ट ट्रेन वंदे भारत पर फिर एक बार पथराव की घटना सामने आई है। यह घटना राजकोट के बिलेश्वर स्टेशन के निकट हुई। देर रात 9 बजे यह घटना उस समय हुई जब गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी भी ट्रेन में सवार थे और राजकोट से अहमदाबाद आ रहे थे। जानकारी के मुताबिक राजकोट के बिलेश्वर स्टेशन के निकट पथराव कर ट्रेन के शीशों को नुकसान पहुंचाया गया। हांलाकि इसमें कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और ना ही किसी को चोट पहुंची। राजकोट स्टेशन से 4 किलोमीटर पहले हुए इस पथराव में सी 4 और सी 5 कोच के शीशे टूट गए। इस रूट पर कई झुग्गी बस्तियां हैं और कई बार क्षेत्र के बच्चे भी पत्थर फेंकते हैं। जिसे लेकर जागृति अभियान चलाया जाता है। फिलहाल रेलवे पुलिस ने 154 के तहत केस दर्ज कर लिया है। रेलवे अधिकारियों को मानना है कि पथराव बच्चों की शरारत हो सकती है। हांलाकि पथराव किसने और क्यों किया? यह जानने के लिए रेलवे पुलिसकी अलग अलग टीमें जांच में जुट गई हैं। गौरतलब है सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करने वाले लोगों को कोई समस्या तो नहीं है, यह जानन के लिए खुद गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने ट्रेन और रोडवेज की बस में मुसाफरी की थी। ट्रेन और बस में सवार यात्रियों से उनकी समस्याएं जानी। हर्ष संघवी अहमदाबाद से राजकोट वंदे भारत ट्रेन से पहुंचे और राजकोट से रोडवेज की बस में सवार होकर अहमदाबाद लौट आए।

अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ सोमवार को फैसला सुनाएगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 11 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगा। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बी.आर. गवई और सूर्यकांत की संविधान पीठ पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दिए गए विशेष दर्जे को छीनने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने वाले साल 2019 के राष्ट्रपति के आदेश की संवैधानिकता पर फैसला करेंगे। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी थी कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के भंग होने के बाद संविधान के अनुच्छेद 370 ने स्थायी स्वरूप ले लिया है। मार्च 2020 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने इस मुद्दे को सात न्यायाधीशों की बड़ी पीठ को सौंपने के याचिकाकर्ताओं के तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। तत्कालीन सीजेआई एन.वी. रमण की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने तर्क दिया कि अनुच्छेद 370 की व्याख्या से संबंधित प्रेम नाथ कौल मामले और संपत प्रकाश मामले में शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए पहले के फैसले विरोधाभासी नहीं थे। 5 जजों की संविधान पीठ ने 5 सितंबर को दोनों पक्षों की मौखिक दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि वह कोई सटीक समय सीमा नहीं दे सकती है और जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल करने में कुछ समय लगेगा, जबकि यह दोहराते हुए कि इसकी केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति अस्थायी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि संविधान पीठ का फैसला चाहे जो भी हो, ऐतिहासिक होगा और कश्मीर घाटी के निवासियों के मन में मौजूद मनोवैज्ञानिक द्वंद्व को खत्?म कर देगा। उन्होंने कहा था कि यह मनोवैज्ञानिक द्वंद्व अनुच्छेद 370 की प्रकृति से उत्पन्न भ्रम के कारण उत्पन्न हुआ कि क्या विशेष प्रावधान अस्थायी हैं या स्थायी।

रास सत्र : 3 वर्षों में गुजरात में लगभग 400 शेरों की मौत

नई दिल्ली। गुजरात में साल 2019 और साल 2021 के बीच 182 शावकों सहित कुल 397 शेरों की मौत हुई, जिनमें से लगभग 10 प्रतिशत अप्राकृतिक कारणों का शिकार हुए हैं। संसद में गुरुवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में पर्यावरण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने राज्यसभा को यह जानकारी दी। वर्ष-वार विश्लेषण के अनुसार, साल 2019 में 66 वयस्क शेरों और 60 शावकों की मृत्यु हुई। जबकि साल 2020 में 73 वयस्क शेरों और 76 शावकों की मृत्यु हुई। वहीं वर्ष 2021 में 76 वयस्क शेरों और 46 शावकों की मृत्यु हुई। इनमें से लगभग 10.53 प्रतिशत मौत में 3.82 प्रतिशत शावकों की अप्राकृतिक मृत्यु शामिल हैं। इन चिंताजनक आंकड़ों के जवाब में अश्विनी कुमार चौबे ने केंद्र सरकार के समर्थन पर गुजरात में शेर संरक्षण पर जोर दिया। राज्य को वन्यजीव आवासों के एकीकृत विकास की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत वित्त पोषण सहायता प्राप्त होती है, जो एशियाई शेरों के संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने और आवासों के प्रबंधन सहित विभिन्न पहलों पर केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने गुजरात से मध्य प्रदेश में शेरों के स्थानांतरण के संबंध में चल रहे कानूनी विचार-विमर्श पर प्रकाश डाला। यह मामला वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय के दायरे में है। स्थानांतरण के निर्णय को एशियाई शेरों के अस्तित्व और आनुवंशिक विविधता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाता है।

अमरीका और कनाडा के साथ समान व्यवहार का सवाल नहीं : जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अमेरिकी धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की कथित साजिश के बारे में अमेरिका से प्राप्त इनपुट पर गौर करने के लिए एक समिति का गठन किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा को यह जानकारी देते हुए बताया कि एक अमेरिकी और कनाडाई नागरिक, गुरपतवंत सिंह पन्नू, अमेरिका स्थित सिख फॉर जस्टिस के नेता हैं। भारत ने सिख फॉर जस्टिस को आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया है।

राज्यसभा सदस्य के सवाल के जवाब में, जयशंकर ने बताया कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर कोई न्यायसंगत व्यवहार नहीं होगा क्योंकि कोई विशिष्ट सबूत या ओटावा द्वारा भारत को इनपुट प्रदान किए गए थे।

संसद के उच्च सदन में जयशंकर ने कहा, कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हमारे सुरक्षा सहयोग के हिस्से के रूप में हमें कुछ इनपुट दिए गए थे जो चिंता का विषय थे। उन्होंने कहा, मामले की जांच कराने के लिए एक जांच समिति का गठन किया गया है। यह पूछे जाने पर कि कनाडाई सरकार द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में कोई न्यायसंगत व्यवहार क्यों नहीं किया गया, जयशंकर ने कहा, जहां तक कनाडा का संबंध है, हमें कोई विशेष सबूत या जानकारी प्रदान नहीं की गई। इसलिए दो देशों के साथ न्यायसंगत व्यवहार का सवाल है, एक किसी ने इनपुट प्रदान किया है और किसी ने नहीं किया है, इसका सवाल ही नहीं उठता।

विशेष रूप से, अमेरिकी न्याय विभाग ने पन्नू को मारने की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने के लिए निखिल गुप्ता नाम के एक भारतीय व्यक्ति के खिलाफ आरोप लगाए हैं। इससे पहले सितंबर में, जी20 शिखर सम्मेलन के ठीक बाद, कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 18 जून को कनाडाई धरती पर निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित भागीदारी के बारे में एक विस्फोटक आरोप लगाया था। हालांकि, भारत ने आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है।

इस बीच, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक प्रेस बैठक में इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक क्रिस्टोफर रे की आगामी भारत यात्रा के दौरान यह मुद्दा उठाया जाएगा। विफल साजिश मामले में वाशिंगटन के आरोपों पर भारत की जांच के बारे में अपडेट के बारे में पूछे जाने पर बागची ने कहा कि उनके पास साझा करने के लिए कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पन्नून द्वारा भारत के खिलाफ की गई हालिया धमकियों को अमेरिका और कनाडा के समक्ष उठाया है।

तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर बाथरुम में गिरे, कूल्हे की हड्डी टूटी

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की तबीयत अचानक खराब हो गई है। उन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि घर पर पैर फिसलने से वह घायल हो गए। ऐसा लगता है कि केसीआर की कूल्हे की हड्डी टूट गई है। फिलहाल सोमाजीगुडा के यशोदा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। केसीआर की बीमारी के बारे में पता चलते ही परिवार के सभी सदस्य हॉस्पिटल पहुंच गए। रात में हरीश राव के साथ केटीआर का परिवार भी यशोदा के पास गया। बताया जा रहा है कि केसीआर आज सुबह तक वहीं रुके रहे। डॉक्टरों ने शीघ्र ही किए जाने वाले मेडिकल परीक्षणों पर सलाह दी और घर चले गए। केसीआर का यशोदा अस्पताल की 9वीं मंजिल पर इलाज चल रहा है। ऐसा लग रहा है कि आज डॉक्टर टेस्ट करने के बाद हेल्थ बुलेटिन देंगे। फिलहाल केसीआर की तबीयत स्थिर है। वह एरावल्ली में अपने फार्म हाउस पर थे। केसीआर की बेटी के कविता ने अपने एक्स पोस्ट में कहा, बीआरएस सुप्रीमो केसीआर को मामूली चोट आई है और फिलहाल वह अस्पताल में विशेषज्ञों की देखरेख में हैं। मिल रहे समर्थन और शुभकामनाओं से पिताजी जल्द ही बिल्कुल ठीक हो जाएंगे। पूर्व सीएम केसीआर 3 दिसंबर से अपने एर्रविली स्थित फार्म हाउस में रह रहे हैं। तेलंगाना विधानसभा चुनाव समाप्त होने और कांग्रेस के हाथों मिली मात के तुरंत बाद सरकारी भवन छोड़ दिया था। इसके बाद से वह फार्म हाउस में ही रह रहे हैं. वह पिछले दो तीन दिनों से अपने घर पर ही सबसे मुलाकात कर रहे हैं। जीत के बाद बीआरएस के कई विधायक उनसे मिलने पहुंचे, जहां वह घर पर ही मौजूद रहे।

बेहद खतरनाक है 'मेफ्टाल' पेनकिलर का सेवन, सरकार ने अलर्ट किया जारी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आमतौर पर भारतीय घरों में हल्की तबियत के बिगड़ने पर लोग घर में ही पेनकिलर या अन्य दवाइयां ले लेते है। सिर दर्द, बदन दर्द या शरीर के किसी अन्य हिस्से में होने वाले दर्द से छुटकारा पाने के लिए व्यक्ति डॉक्टर की सलाह लिए बिना ही पेनकिलर का सेवन कर लेते है। मगर ऐसा करना लोगों की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

इसकी घोषणा भारतीय फार्माकोपिया आयोग ने भी कर दी है। आयोग ने जानकारी दी है कि कई तरह के दर्द से छुटकारा पाने के लिए लोग ÷मेफ्टाल÷ दवाई का उपयोग करते है। इस दवाई का उपयोग करने के संबंध में आयोग ने अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि मेफ्टाल दवाई का अधिक सेवन करने से एलर्जी अधिक होने का खतरा रहता है। ये दवाई ड्रेस सिंड्रोम जैसी एलर्डी को बढ़ा सकती है। ये एलर्जी शरीर में हो सकती है, जो काफी परेशान कर सकती है।

केंद्र सरकार ने मेफ्टाल को लेकर अलर्ट 30 नवंबर को जारी किया है। इस अलर्ट के अनुसार ये सलाह जारी की गई है कि जो भी मरीज इस दवा का सेवन करता है वो दवा के इस्तेमाल से जुड़ी उपरोक्त प्रतिकूल प्रतिक्रिया (एडीआर) की संभावना पर बारीकी से नजर रखें।''

अधिक इस्तेमाल है घातक

मेफ्टाल दवाई का सेवन करने से कई तरह के प्रतिकूल असर दिख सकते है। अगर किसी मरीज को ऐसा सेवन दिखता है तो उसे तत्काल बंद कर दिया जाना चाहिए। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि मेफ्टाल का प्रतिकूल असर दिखना काफी रेयर होता है। डॉक्टरों का कहना है कि किसी दवाई का रिएक्शन विभिन्न मरीजों पर अलग होता है। डॉक्टर भी सीमित खुराक ही मरीजों को देते है। मेफ्टाल का सेवन भी प्रिस्क्रिप्शन के जरिए ही दिया जाता है। हालांकि अगर कोई मरीज प्रिसक्राइब की गई खुराक से अधिक दवाई का सेवन करता है तो उसके लिए दवाई घातक हो सकती है। इसका सेहत पर प्रतिकूल असर देखने को मिल सकता है।

आसानी से मिलती है दवाई

बता दें कि मेफ्टॉल ऐसी दवाई है जो भारत में मेडिकल स्टोर पर आसानी से उपलब्ध होती है। इस दवाई को लोग प्रिस्क्रिप्शन के बिना भी खरीद लेते है। आमतौर पर शरीर में दर्द होने पर लोग मेफ्टॉल का सेवन कर लेते है। इसके अलावा महिलाओं को पीरियड्स में होने वाले दर्द, सिरदर्द और मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं में इस दवाई का सेवन अधिक किया जाता है। बच्चों को भी डॉक्टर मेफ्टॉल देते हैं, मगर ये दवाई सिर्फ बुखार की स्थिति में उन्हें दी जाती है। बता दें कि इस दवाई में मेफेनामिक एसिड होता है जिसका अलग-अलग उपयोग किया होता है।

केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने दिखाई बुलेट ट्रेन के पहले मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का वीडियो

मुंबई (एजेंसी)। भारतीयों को बुलेट ट्रेन की रफ्तार का मजा लेने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की तरफ से इसके संकेत मिलने लगे हैं। वीडियो के द्वारा उन्होंने देश के पहले बुलेट ट्रेन टर्मिनल की झलक दिखाई है। सोशल मीडिया पर शेयर टर्मिनल के वीडियो में संस्कृति और आधुनिकता का मिश्रण साफ नजर आ रहा है। मोदी सरकार ने पहले ही साफ किया था कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को साल 2022-2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने साबरमती मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का वीडियो जारी किया है। करीब 43 सेकंड के वीडियो में टर्मिनल में शामिल कई सुविधाओं और आधुनिकता को दिखाया गया है। उन्होंने लिखा, भारत की पहली बुलेट ट्रेन के लिए टर्मिनल। खास बात है कि भारत में बुलेट ट्रेन को लेकर पहल साल 2017 में की गई थी। रेल मंत्रालय की तरफ से साल 2017 में जारी विज्ञप्ति के अनुसार, यह ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद स्टेशनों को जोड़ेगी। मोदी सरकार ने बताया था, साबरमती और मुंबई (508 किमी) के मध्य रेल पटरी जमीन के ऊपर स्तंभों पर आधारित होगी। इसमें 12 स्टेशन होगा। अधिकतम गति 350 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जबकि संचालन गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

रेल मंत्रालय ने बताया था, एक तेज ट्रेन के लिए मुंबई से साबरमती के बीच यात्रा अवधि 2.07 घंटे होगी। रास्ते में पड़ने वाले सभी स्टेशनों पर रूकने वाली ट्रेन के लिए यह अवधि 2.58 घंटे होगी। परियोजना की अनुमानित लागत- 1,08,000 करोड़ रूपये। कुल परियोजना लागत की 81 प्रतिशत राशि जापान सरकार द्वारा ऋण के रूप में उपलब्ध कराई गई है। 0.1 प्रतिशत ब्याज दर वाला यह ऋण 15 वर्षों की अनुग्रह अवधि के साथ 50 वर्षों में देय है। खास बात है कि भारत सरकार हाई स्पीड रेल यानी एचएसआर की योजना बना रही है। इसके तहत 6 अतिरिक्त कॉरिडोर को लेकर चर्चाएं जारी हैं।

चीन में फैली रहस्यमी बीमार को लेकर भारत में चिंता की बात नहीं

–डॉक्टरों ने इसके पीछे बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में फिर हाहाकार मचा हुआ है। यहां रहस्यमयी निमोनिया कहे रहे इन्फ्लूएंजा ए वायरस के सब-टाइप एच9एन2 का कहर देखने को मिल रहा है। कई अन्य देशों में भी वायरस के केस सामने आ रहे हैं। इसकी चपेट में कोरोना से किसी तरह बचे रह गए छोटे बच्चे आ रहे हैं। अब भारत में बीमारी के संक्रमण लेकर भी खतरे की संभावना जाहिर की जा रही है, लेकिन क्या सचमुच अब भारत के बच्चों पर खतरा मंडरा रहा है? क्या यह बीमारी चीन के बाद अन्य देशों और अब भारत में फैलने जा रही है?

नई दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के पूर्व निदेशक और जाने माने सर्जन डॉ.एमसी मिश्र कहते हैं कि कोरोना के बाद यह बात समझ में आ चुकी है कि कोई भी वायरल इंफेशन या वायरस का फैलाव रोकना मुश्किल है। इसकी बाउंड्रीज नहीं होती। अगर यह एक देश में फैला है, तब इसे दूसरे देशों में फैलने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि अब साधनों के चलते देशों के बीच दूरी कम हो गई है, वहीं इंटरनेशनल ट्रैवल भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। नई दिल्ली एम्स में पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एंड स्लीप मेडिसिन के एचओडी प्रो. अनंत मोहन कहते हैं कि चीन के एक हिस्से में निमोनिया के मामलों में बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका कारण अभी पता नहीं है लेकिन यह कोई नया बग या वायरस नहीं है।

इस बारे में डॉ. मिश्र कहते हैं कि एक चीज जो इन मामलों में देखी जा रही है वह यह है कि चीन में निमोनिया के अधिकांश मामलों में बच्चे मरीज हैं। वहां बड़ों में इसका संक्रमण नहीं देखने को मिल रहा है। जहां तक भारत में बच्चों पर खतरे का सवाल है,तब यहां पैनिक की जरूरत नहीं है और इस वायरस के खराब प्रभाव की आशंका भी कम है। इसकी तीन वजहें हैंज .पहला है कि जो भी इन्फ्लूएंजा ए वायरस का सब टाइप एच9एन2 के केस चीन में आ रहे हैं, इसमें देखा जा रहा है कि संक्रमण दर हाई है लेकिन मृत्यु दर काफी कम है। इससे बच्चों में इन्फेक्शन जल्दी हो रहा है लेकिन फिर वे ठीक हो रहे हैं। लिहाजा अगर यह भारत में आता भी है, तब इस बीमारी का इलाज संभव होगा। दूसरा है कि भारत में बच्चे इंटरनेशनल ट्रैवल इतना ज्यादा नहीं करते। इसलिए बच्चों में इसका एक्सपोजर कम होने की आशा है।

महाराष्ट्र की सियासत में फिर हलचल:

भाजपा को खटक रही अजीत पवार और नवाब मलिक की दोस्ती

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक बार फिर सियासी घमासान की संभावना बढ़ गई है। वजह ये है कि राज्य के पूर्व मंत्री और अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता नवाब मलिक को लेकर विवादों की आहट सुनाई देने लगी है। इसका खुलासा उस समय हुआ जब शिंदे सरकार के दो उप मुख्यमंत्री आपस में बैठकर बात करने के बजाए चिट्ठी लिखने पर भरोसा करने लगे। राज्य में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी नेता अजीत पवार उप मुख्यमंत्री है। माना जा रहा है कि दोनो ही नेताओं में आपसी मतभेद की खबरें आए दिन सुनाई देती हैं। इस बार जब अजीत पवार ने अपने पुराने समर्थक और पूर्व मंत्री नवाब मलिक को एनसीपी में शामिल करने की पहल की तो देवेंद्र फडणवीस को नागवार गुजरी। उन्होंने तत्काल चिट्ठी लिखी और अंत में कहा आखिर निर्णय आपको ही लेना है।

भाजपा ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुट में शामिल होने पर कड़ी आपत्ति जताई। भाजपा के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम अजित पवार को एक पत्र लिखकर नवाब मलिक के शिवसेना-बीजेपी-एनसीपी (एपी) के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में प्रवेश पर आपत्ति जताई।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मलिक जिस तरह के देशद्रोह के आरोपों का सामना कर रहे हैं, उसे देखते हुए उन्हें महायुति गठबंधन में शामिल करना उचित नहीं होगा। हालांकि, एक विधायक के तौर पर विधानसभा में आना मलिक का अधिकार है और उन्होंने गुरुवार को कार्यवाही में हिस्सा भी लिया। इस मुद्दे पर अपनी आपत्तियों पर, देवेंद्र फडणवीस ने शुरुआत में ही स्पष्ट कर दिया कि उनके मन में मलिक के खिलाफ कोई व्यक्तिगत दुश्मनी या द्वेष नहीं है। सत्ता आती है और जाती है, लेकिन सत्ता से बड़ा देश है।

देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि फरवरी 2022 से अगस्त 2023 के बीच 18 महीने जेल में बिताने वाले मलिक को वर्तमान में केवल मेडिकल जमानत पर रिहा किया गया है। जब तक उनके खिलाफ आरोप साबित नहीं हो जाते, तब तक उनका स्वागत किया जाना चाहिए। हालांकि,जिस तरह के आरोप उन पर लग रहे हैं, उसे देखते हुए उन्हें महायुति का हिस्सा बनाना उचित नहीं होगा, यह हमारी स्पष्ट राय है। हालांकि, यह तय करना अजित पवार का पूरा विशेषाधिकार है कि उन्हें अपनी पार्टी में किसे लेना चाहिए किसे नहीं लेना चाहिए। अपने विरोध को उचित ठहराते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने आग्रह किया कि यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए कि मलिक के प्रवेश से महायुति गठबंधन में समस्या न हो और सभी सहयोगियों को इसे ध्यान में रखना चाहिए।

देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए कहा, मलिक को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया और 18 महीने के लिए जेल में डाल दिया गया, लेकिन उन्हें पूर्व सीएम ने कैबिनेट में रखा और बीजेपी उस फैसले का समर्थन नहीं कर सकी। देवेंद्र फडणवीस ने उम्मीद जताते हुए हस्ताक्षर किए कि अजित पवार इस संबंध में भाजपा की भावनाओं पर ध्यान देंगे। इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा में देवेंद्र फडणवीस ने मलिक को मंत्री बनाए रखने के लिए एमवीए पर कटाक्ष किया था। हालांकि, मलिक को आतंकवादी संबंधों के आरोप में सलाखों के पीछे डाल दिया गया था। उन्होंने आगे कहा, आतंकवादियों के साथ संबंधों के आरोप में जेल जाने के बाद हमने मलिक के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन तत्कालीन ठाकरे सरकार ने इस मामले में कार्रवाई नहीं की। पहले आप उसका जवाब दें, फिर हमसे पूछें... अब आपको हमसे सवाल करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

तेलंगाना में बिना प्रशासनिक अनुभव वाले हैं सीएम और डिप्टी सीएम

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी ने शपथ से पहले सीएम हाउस की बॉउड्री बुलडोजर चलवाकर संदेश दिया है कि तेलंगाना में भी बुलडोजर चलेगा। रेड्डी के साथ उपमुख्यमंत्री के तौर मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शपथ ली है। दोनों ने इससे पहले कभी कोई प्रशासनिक पद नहीं संभाला। रेवंत रेड्डी के लिए यह एक सपना सच होने जैसा था, जब उन्होंने तेलंगाना के दूसरे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। चूंकि उन्होंने पार्टी के चुनाव अभियान का आगे बढ़कर नेतृत्व किया और भारत के सबसे युवा राज्य में कांग्रेस को पहली चुनावी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें राज्य के शीर्ष पद से पुरस्कृत किया। 54 वर्षीय रेवंत ने पार्टी में नाटकीय बदलाव का नेतृत्व किया, जबकि कुछ महीने पहले तक चुनावी पराजय, दल-बदल और अंदरूनी कलह के कारण पार्टी पूरी तरह से अव्यवस्थित थी।

एक गतिशील और महत्वाकांक्षी नेता, रेवंत रेड्डी की राजनीतिक यात्रा केवल 17 साल पहले महबूबनगर जिले के एक दूरदराज के गांव में स्थानीय निकाय प्रतिनिधि के रूप में शुरू हुई थी। 8 नवंबर, 1969 को वर्तमान नगरकुर्नूल जिले के कोंगारेड्डीपल्ली में एक कृषक परिवार में जन्मे, उन्होंने वानापर्थी में एक पॉलिटेक्निक और हैदराबाद के एक कॉलेज से कला स्नातक की पढ़ाई की। परिवार की पहली पीढ़ी के राजनेता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से की। वह 2002 में तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब बीआरएस) में शामिल हुए लेकिन कुछ साल बाद पार्टी छोड़ दी क्योंकि उन्हें पार्टी में मान्यता नहीं मिली। 2006 में उन्होंने मिडजिल मंडल में जिला परिषद प्रादेशिक समिति (जेडटीपीसी) के सदस्य पद के लिए निर्दलीय चुनाव लड़ा और चुनावी राजनीति में अपने पहले ही प्रयास में सफल रहे, लेकिन उनका लक्ष्य बड़ा था। सदैव उच्च लक्ष्यों के लिए लक्ष्य रखते हुए उन्होंने 2007 में महबूबनगर जिले में स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से संयुक्त आंध्र प्रदेश की विधान परिषद के लिए चुनाव लड़ा और सत्तारूढ़ कांग्रेस के उम्मीदवार को 100 वोटों से हराया। इस जीत ने उन्हें राज्य स्तर की राजनीति में पहुंचा दिया और 2008 में वह तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गए, जो विपक्ष में थी।

2009 में वह विधानसभा चुनाव में उतरे और वरिष्ठ कांग्रेस नेता गुरुनाध रेड्डी को 6,989 वोटों से हराकर कोडंगल से चुने गए। अच्छे वक्तृत्व कौशल और आक्रामक दृष्टिकोण से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। जब तेलंगाना आंदोलन अपने चरम पर था, तब वह टीडीपी के साथ रहे और उन्हें पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू का करीबी माना जाता था। वह 2014 में कोडंगल से पहली तेलंगाना विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने टीआरएस उम्मीदवार के खिलाफ 14,614 वोटों के बड़े अंतर के साथ सीट बरकरार रखी। टीडीपी के तेलंगाना कार्यकारी अध्यक्ष और विधानसभा में टीडीपी के फ्लोर लीडर के रूप में उन्होंने विधानसभा और बाहर दोनों जगह सत्तारूढ़ टीआरएस का मुकाबला किया। दिलचस्प बात यह है कि रेवंत रेड्डी ने कभी भी मंत्री पद नहीं संभाला या सत्तारूढ़ दल में भी काम नहीं किया। उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले विक्रमार्क के लिए भी यही सच है।

अंडर 19 एशिया कप 2023 में भारत का जीत के साथ आगाज, अर्शिन कुलकर्णी का बेहतरीन प्रदर्शन

मुंबई (एजेंसी)। एशियन क्रिकेट काउंसिल अंडर 19 मेंस एशिया कप 2023 का आगाज हो चुका है। वहीं इस आगाज के साथ ही भारत की जीत भी हुई है। दरअसल, भारत ने अपने पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया है। जबकि पाकिस्तान ने भी नेपाल को सात विकेट से ही हराया।

भारत की ओर से अर्शिन कुलकर्णी ने अपने ऑलराउंडर खेल से सबका दिल जीत लिया। अर्शिन ने पहले गेंदबाजी करते हुए आठ ओवर में महज 29 रन देकर तीन विकेट चटकाए और फिर बैटिंग के दौरान नॉचआउट 70 रनों की पारी खेली। उनके ऑलराउंडर खेल ने सबका दिल जीत लिया। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए अफगानिस्तान को 50 ओवर में 173 रनों पर समेट दिया। अफगानिस्तान की ओर से जमशिद जदरान ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। जवाब में भारत ने 37.3 ओवर में ही तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

अर्शिन 70 जबकि मुशीर खान 48 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। भारत ने 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 76 रनों तक तीन विकेट गंवा दिए थे। आदर्श सिंह 17 रन बनाकर आउट हुए थे। अर्शिन हालांकि, एक छोर संभाले रखे। रुद्र पटेल के रूप में भारतीय टीम को दूसरा झटका लगा था, जबकि कप्तान उदय सहारन भारत की ओर से आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज थे।

ऐसा लग रहा था कि अफगानिस्तान की टीम कुछ उलटफेर कर सकती है, लेकिन अर्शिन और मुशीर ने इसके बाद काफी सूझबूझ से बैटिंग की और भारत को एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप के पहले मैच में जीत दिलाई।

शेन वॉटसन बने क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी शेन वॉटसन क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच बन गए हैं। जानकारी के अनुसार वह पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के आगामी संस्करण के लिए क्वेटा ग्लेडियेटर्स के मुख्य कोच नियुक्त हुए है। फ्रेंचाइजी ने इसकी घोषणा कर दी है। घोषणा में टूर्नामेंट के उद्घाटन के बाद से ग्लेडियेटर्स का पहला कोच परिवर्तन देखा गया, क्योंकि पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज मोइन खान, जिन्होंने आठ साल तक कोच के रूप में कार्य किया, को टीम निदेशक की भूमिका में पदोन्नत किया गया। टीम के मालिक नदीम उमर ने टीम के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा कि शेन संन्यास लेने से पहले देश की प्रीमियर लीग के शुरुआती सीज़न में क्वेटा ग्लेडियेटर्स की सफलता का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और टीम को प्रशिक्षित करने और उन गौरवशाली दिनों को वापस लाने के लिए उनसे बेहतर कोई विकल्प नहीं है जिनके लिए हम प्रसिद्ध हैं।

गौरतलब है कि वॉटसन का ऑस्ट्रेलिया के लिए एक ऑलराउंडर के रूप में शानदार करियर रहा है, उन्होंने टीम के हिस्से के रूप में 2007 और 2015 में विश्व कप जीता था। 42 वर्षीय वॉटसन ने 2020 में सभी क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह 2022 में अपने पूर्व ऑस्ट्रेलिया टीम के साथी रिकी पोंटिंग के साथ सहायक कोच के रूप में आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हुए। इस साल की शुरुआत में, उन्हें मेजर लीग क्रिकेट फ्रेंचाइजी सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। ग्लेडियेटर्स अपने पहले चार संस्करणों के दौरान पीएसएल की सबसे लगातार फ्रेंचाइजी थी, जब वे तीन बार फाइनल में पहुंचे, और 2019 में खिताब भी हासिल किया है।

वर्ल्ड कप 2023 फाइनल की पिच को औसत करार दिया गया, आईसीसी ने दी चौंकाने वाली रेटिंग

मुंबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की उस पिच को औसत करार दिया है जिस पर 19 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे विश्व कप का फाइनल खेला गया था। आईसीसी मैच रेफरी और जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज एंडी पाइक्रॉफ्ट ने हालांकि मैदान की आउटफील्ड को बहुत अच्छा करार दिया। जिस पिच पर फाइनल खेला गया वह काफी धीमी थी। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को छह विकेट से हराकर खिताब जीता था। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में केवल 240 रन बना पाई। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 120 गेंद पर 137 रन की लाजवाब पारी खेली। भारत लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमशः कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद और चेन्नई की जिन पिचों पर खेला था, आईसीसी ने उन्हें भी औसत करार दिया है।। भारत ने सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम कि जिस पिच पर न्यूजीलैंड का सामना किया था, आईसीसी ने उसे 'अच्छी' रेटिंग दी है। इस मैच से पहले हालांकि मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया था कि कि भारत ने पिच बदलवा दी थी और यह मैच नई पिच के बजाय पहले इस्तेमाल की गई पिच पर खेला गया था। आईसीसी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस की उस पिच को भी औसत करार दिया है जिस पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला गया था। इस कम स्कोर वाले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 49.4 ओवर में 212 रन पर समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद 47.2 ओवर में सात विकेट होकर लक्ष्य हासिल किया था।

महिला क्रिकेट टीम के लिए इंग्लैंड के खिलाफ आज करो या मरो का मुकाबला

मुंबई (एजेंसी)। पहले मैच में हार से आहत भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीन मैचों की श्रृंखला में बने रहना हैं, तब इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। इंग्लैंड ने पहले मैच में शानदार प्रदर्शन करके 38 रन से जीत दर्ज की और इस तरह से भारत पर दबदबा बनाए रखा। इंग्लैंड की यह भारत के खिलाफ 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 21वीं और भारतीय धरती पर 10 मैच में आठवीं जीत थी।

भारतीय टीम पहले मैच में परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल नहीं बिठा सकी थी और इसके अलावा टीम ने कुछ गलतियां भी की थी जिससे यह मैच एकतरफा बन गया था। सपाट पिच पर गेंदबाजों को खास मदद नहीं मिल रही थी तथा भारत ने चार स्पिनरों का उपयोग किया जिन्होंने कुल मिलाकर 12 ओवर में 121 रन लुटाए। भारत ने बाएं हाथ की दो स्पिनर श्रेयंका पाटिल और सैका इशाक को पदार्पण का मौका दिया लेकिन इन दोनों का अपनी गेंदों पर नियंत्रण नहीं था और वे महंगे साबित हुए। यहां तक की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा भी प्रभावित नहीं कर पाई और

उन्होंने अपने कोटे के पूरे चार ओवर भी नहीं किए।

भारत का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा तथा इंग्लैंड की तरफ से शानदार प्रदर्शन करने वाली डैनी वाट और नेट साइवर ब्रंट दोनों को जीवनदान मिले, जो भारतीय टीम को महंगे पड़े। भारत की तरफ से गेंदबाजी में केवल तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के पहले ओवर में ही दो विकेट निकालकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा पाई और उसने इंग्लैंड को वापसी का मौका दिया।

संजय बांगड़ की आईपीएल में वापसी, पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख के तौर पर हुई वापसी

मुंबई । पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए अपना क्रिकेट विकास

प्रमुख नियुक्त किया। पूर्व भारतीय आल राउंडर 2014 में फेंचाइजी के सहायक कोच थे जब टीम उप विजेता रही थी। अगले दो सत्र में वह मुख्य कोच थे जब टीम तालिका में निचले स्थान पर रही थी। बांगड़ ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''फिर से पंजाब किंग्स के साथ होना मेरे लिए सम्मान की बात है।'' बांगड़ टीम के मुख्य कोच ट्रेवर बेलिस के साथ मिलकर काम करेंगे और दोनों 19 दिसंबर को दुबई में होने वाली आईपीएल नीलामी के लिए योजना बनायेंगे। बांगड़ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बल्लेबाजी सलाहकार थे जिसके बाद अगले दो साल के लिए उन्हें टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर दिया गया। पंजाब किंग्स ने पांच खिलाड़ियों को रिलीज किया है जिसमें तमिलनाडु के शाहरूख खान भी शामिल हैं।

डब्ल्यूपीएल सीजन 2024: 9 दिसंबर को डब्ल्यूपीएल नीलामी का आयोजन

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग यानी डब्ल्यूपीएल के दूसरे सीजन की नीलामी शनिवार 9 दिसंबर को मुंबई में होगी। वहीं इस बार नीलामी में कुल 165 खिलाड़ियों की बोली लगेगी जिसमें 104 भारतीय और 61 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगी। इन 61 विदेशी खिलाड़ियों में 15 एसोसिएट नेशन की प्लेयर्स होंगी। डब्ल्यूपीएल 2024 का आगाज अगले साल फरवरी मार्च में होने की संभावनाएं हैं, हालांकि अभी तक अधिकारिक तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। नीलामी के बाद बीसीसीआई जल्द इसका भी ऐलान करेगा। नीलामी में शामिल 5 टीमों- दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स, यूपी वारियर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पास कुल 30 स्लॉट खाली हैं। जिसमें 9 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के हैं। अब देखने वाली बात ये होगी कि इन 165 खिलाड़ियों में से किन 30 प्लेयर्स की किस्मत चमकती है। आइए डब्ल्यूपीएल ऑक्शन से जुड़ी कुछ अहम जानकारियों पर एक नजर डालते हैं।

जूनियर महिला हॉकी विश्व कप: भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में कोरिया को हराया

सैंटियागो (चिली) (एजेंसी)। भारत ने शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के नौवें से 12वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में दक्षिण कोरिया को 3-1 से हराया। गुरुवार को खेले गए इस मैच में भारत की तरफ से रोपनी कुमारी (23वें मिनट), मुमताज खान (44वें) और अन्नू (46वें) ने गोल किए। कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल जियुन चोई (19वें) ने किया।

पहले क्वार्टर में कोरिया का दबदबा रहा और इस दौरान उसने पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीम ने एक दूसरे पर दबाव बनाने का प्रयास किया। चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके कोरिया को बढ़त दिलाई लेकिन रोपनी ने भी पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिला दी।

मध्यांतर तक दोनों टीम 1-1 से बराबरी पर थी। भारत ने तीसरे क्वार्टर में दबदबा बनाया और इस बीच मुमताज ने पेनाल्टी कार्नर पर गोल करके टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अन्नू ने चौथे क्वार्टर के शुरू में मैदानी गोल करके भारत की जीत सुनिश्चित की। भारत के पास अभी नौवें स्थान पर रहने का मौका है। वह टूर्नामेंट के अपने अंतिम मैच में शनिवार को चिली या अमेरिका से भिड़ेगा।

आज होगा अरबनाइजर्स हैदराबाद और मणिपाल टाइगर्स के बीच फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुरेश रैना की कप्तानी वाली अरबनाइजर्स हैदराबाद की टीम लीजेंड्स लीग 2023 के फाइनल में मणिपाल टाइगर्स से भिड़ेगी जिसकी अगुआई दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह कर रहे हैं। मणिपाल टाइगर्स टीम ने क्वालीफायर 2 में गौतम गंभीर की टीम इंडिया कैपिटल्स को 6 विकेट से हराकर हैदराबाद संग खिताब भिड़ंत तय की। हैदराबाद और मणिपाल टाइगर्स की टीम क्वालीफायर 1 में टकरा चुकी हैं, जहां हैदराबाद ने 75 रन से जीत दर्ज कर फाइनल में धमाकेदार एंट्री मारी। मणिपाल टाइगर्स को हैदराबाद के खूंखार बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ को जल्द आउट करना होगा जो लीग इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ चुके हैं। फाइनल शनिवार को सूरत के लालभाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा।

मणिपाल टाइगर्स ने क्वालीफायर 2 मैच में पहले बैटिंग कर 9 विकेट पर 177 रन बनाए। कप्तान गौतम गंभीर का बल्ला खामोश रहा। गंभीर 10 रन बनाकर

पवेलियन लौटे। टॉप के 4 बैटर 30 का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने 27 गेंद में 56 रन की आतिशी पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 5 छक्के और 2 चौके लगाए। मणिपाल टाइगर्स की ओर से थिसारा परेरा और मैक्लाघन ने 3-3 विकेट लिए।

178 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मणिपाल टाइगर्स ओर से ओपनर चैडविक वेल्टन ने 18 गेंद में 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। एंजेलो परेरा 30 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि असेला गुणारत्ने ने टीम की जीत का जिम्मा उठाया और मैच विनिंग पारी खेली। परेरा ने 27 गेंद में 35 रन ठोक दिए। असेला गुणारत्ने 39 रन बनाकर नाबाद लौटे वहीं कोलिन डी ग्रैंडहोम ने 24 गेंदों पर नाबाद 38 रन बनाए। इसके पहले सुरेश रैना की टीम हैदराबाद ने क्वालीफायर 1 में मणिपाल के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। उस मैच में 40 साल के विंडीज के पूर्व विस्फोटक ओपनर ड्वेन स्मिथ ने 42 गेंदों पर शतक ठोककर रिकॉर्ड बुक को तहस नहस कर दिया था। स्मिथ ने लीजेंड्स लीग इतिहास का सबसे तेज शतक ठोका।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे के लिए कीवी टीम का ऐलान

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश के साथ शुरु होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के लिए तीन नए खिलाड़ियों वाली 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। वनडे कप्तान केन विलियमसन, टिम साउदी, डेरिल मिशेल, मिशेल सेंटनर, ग्लेन फिलिप्स और डेवोन कॉनवे को घरेलू सत्र से पहले आराम दिया गया है। इसकारण टॉम लैथम को एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया गया है और इस टीम में तीन नए खिलाड़ियों में ऑलराउंडर जोश क्लाकर्सन, तेज गेंदबाज विल ओ'रूके' और लेगस्पिनर आदि अशोक को टीम में शामिल किया गया है। माइकल ब्रेसवेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, जेम्स नीशम, बेन लिस्टर और हेनरी शिपली चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। ट्रेंट बोल्ट ने खुद को चयन के अलग कर दिया था न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा, 'इस साल सर्दियों में क्रिकेट की मात्रा और तीव्रता का मतलब है कि हमें खिलाड़ियों के लिए कार्यभार के साथ संतुलन बनाने की जरूरत है, विशेषकर उन खिलाड़ियों के लिए जो कई प्रारूप खेलते हैं उन्हें संतुलन की आवश्यकता भी होगी और कुछ खिलाड़ियों को उनका पहला कॉल-अप देने में सक्षम होना बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा, 'जोश वह व्यक्ति है, जिसने अभी भी युवा होते हुए भी स्टैग्स के लिए 150 से अधिक मैच खेले हैं, लगातार योगदानकर्ता बनने के लिए बल्ले और गेंद के साथ अपने कौशल को विकसित किया है। वे और विल दोनों अभी भी घरेलू क्रिकेट में नए है, लेकिन शुरुआती दौर में प्रभावशाली रहे हैं इस साल ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। न्यूजीलैंड 17 दिसंबर को बंगलादेश के खिलाफ पहला एकदिवसीय मैच खेलेगा। दूसरा एकदिवसीय मुकाबला 20 दिसंबर को नेल्सन में और तीसरा 23 दिसंबर को नेपियर में होगा।

न्यूजीलैंड की टीम - टॉम लैथम (कप्तान), आदि अशोक (दूसरे और तीसरे मैच के लिए), फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, मार्क चैपमैन, जोश क्लाकर्सन, जैकब डफी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, हेनरी निकोल्स, विल ओ'रूके, रचिन रवींद्र, ईश सोढ़ी (पहले मैच) और विल यंग।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज मिचेल ने वनडे शतकवीर विराट को बताया सबसे आसान विकेट

नई दिल्ली । टीम इंडिया के विराट कोहली ने अपनी बल्लेबाजी से अनेक विश्व रिकार्ड बनाये हैं। इस सिलसिले दिग्गज गेंदबाजों को उन्होंने घुटने टेंकने पर मजबूर किया है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज पेसर मिचेल जॉनसन ने वनडे के शतकवीर विराट को सबसे आसान विकेट बताया। दरअसल, मिचेल वही गेंदबाज हैं जिनके साथ टेस्ट मैच में विराट की बीच मैदान में तीखी बहस देखने को मिली थी। विराट और मिचेल जॉन्सन की द्ववंदात्मक कहानी शुरू होती है साल 2014 से, जब टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही थी। इस सीरीज में विराट कोहली टेस्ट मैच के दौरान अपनी पीक पर मिचेल पर हावी होते नजर आए थे। मैच के बीच विराट ने मिचेल की गेंद पर सामने शॉट खेला और गेंद मिचेल के हाथों में गई। बॉल पकड़ते ही तेज गेंदबाज ने विराट की ओर तेजी से थ्रो फेंक दिया जो कोहली की बॉडी पर लगी और कोहली गिर पड़े। इस घटना के बाद दोनों प्लेयर्स के बीच गर्मा-गरमी देखने को मिली। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल रहा है। वहीं, अब इंस्टाग्राम पर मिचेल जॉनसन के द्वारा एक कमेंट वायरल हो रहा है जिसे देखने के बाद लगता है कि पूर्व गेंदबाज ने उस कहानी को हवा दी है। मिचेल की एक पोस्ट पर फैन ने लिखा, 'आप विराट के पसंदीदा गेंदबाज हैं।' जिसके जवाब में जॉनसन लिखते हैं। 'वह मेरा सबसे आसान विकेट था।' विराट कोहली के खिलाफ मिचेल जॉनसन ने साल 2015 वर्ल्ड कप में कमाल की गेंदबाजी की थी। उन्होंने विराट को महज 1 के स्कोर पर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। नॉकआउट मुकाबले में कंगारू टीम ने भारत को करारी शिकस्त दे दी थी।

कोई भी कोच शमी जैसा गेंदबाज नहीं बना सकता, भारतीय कोच ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि मोहम्मद शमी के पास हर बार गेंद को सीधी सीम में डालने की दुर्लभ प्रतिभा है और दुनिया का कोई भी कोच इस तरह की तेज गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज तैयार नहीं कर सकता। वनडे विश्व कप के सात मैच में 24 विकेट चटकाकर गेंदबाजी सूची में शीर्ष पर रहने वाले शमी वनडे और टेस्ट में भारत के बेहतरीन गेंदबाज रहे हैं।

म्हाम्ब्रे शमी की सफलता के लिए कोई श्रेय नहीं लेना चाहते। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत को मोहम्मद शमी जैसी प्रतिभा वाला गेंदबाज मिलेगा तो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना होने से पहले पीटीआई से साक्षात्कार में कहा, 'अगर मैं कहूं कि कोच शमी जैसा गेंदबाज बना सकते हैं तो यह सच नहीं होगा। अगर कोई गेंदबाज हर बार सीधी सीम में गेंद को डाल सकता तो दुनिया का हर गेंदबाज शमी बन जाएगा।' उन्होंने कहा, 'यह ऐसा कौशल है जो शमी ने कड़ी मेहनत के दम पर हासिल किया है और खुद को ऐसा गेंदबाज बनाया है।'

म्हाम्ब्रे ने कहा, 'सीम पर ही एक के बाद एक गेंद फेंकना और वो भी परफेक्ट कलाई पॉजिशन के साथ तथा इसे दोनों तरफ घुमाना एक दुर्लभ प्रतिभा है। काफी गेंदबाज अगर सीम पर गेंद डाल भी पाते हैं तो उनकी गेंद पिच पर लगते ही सीधी हो जाती है।' पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह के बारे में भी इसी तरह की बात करते हुए कहा, 'यहां तक कि बुमराह का एक्शन असमान्य है लेकिन वह गेंद को इसी एक्शन से अंदर या दूर कर देता है। यह एक कला है और इस कला का पारखी होने में काफी कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है।'

शमी और बुमराह दुनिया भर के बल्लेबाजों पर दबदबा बनाने में सफल रहे हैं जिससे म्हाम्ब्रे काफी हैरान हैं। उनकी सफलता से काफी को ईर्ष्या भी होगी। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'मुझे लगता है कि टेस्ट मैचों में हमारे पास बुमराह, शमी और ईशांत (शर्मा) थे जिन्होंने इस तरह का जादू बिखेरा था लेकिन अगर अब आप मुझे पूछोगे कि क्या मैंने इस तरह के दबदबे की उम्मीद की थी तो मैंने इस स्तर के प्रदर्शन का सपना भी नहीं देखा था।'

उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब कि जैसे श्रीलंका को 50 रन पर समेट देना और फिर दक्षिण अफ्रीका जैसी टीम के खिलाफ भी ऐसा ही दोहराव करना कि 320 रन के करीब का स्कोर बनाना और उन्हें 80 रन पर समेट देना। यह सपना लगता है। निश्चित रूप से हमारे जैसे गेंदबाजी आक्रमण के साथ हमें उनसे अच्छा करने की उम्मीद थी, लेकिन इतने लंबे समय तक बड़े मंच पर ऐसा प्रदर्शन करना वास्तव में सराहनीय था।'

जागरुकता

सोशल मीडिया की कैद में बच्चे, बरतें सावधानियां

बच्चों में लगातार इंटरनेट के इस्तेमाल का क्रेज बढ़ता जा रहा है। हाल ही में हुए एक सर्वे में देश के 40 प्रतिशत से ज्यादा पैरेंट्स ने माना कि उनके बच्चों को सोशल मीडिया चलाने, वीडियोज देखने और ऑनलाइन गेम खेलने की लत लगी है। इन बच्चों की उम्र 9 से 17 साल के बीच है। यह सर्वे कम्युनिटी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकल सर्कल्स ने किया है।

रोजाना 3 घंटे इंटरनेट पर बिताते हैं बच्चे

सर्वे में शामिल 49 प्रतिशत माता-पिता मानते हैं कि उनके 9 से 13 साल के बच्चे रोजाना 3 घंटे से ज्यादा इंटरनेट पर बिताते हैं। वहीं, 47 प्रतिशत पैरेंट्स ने बताया कि उनके बच्चों को सोशल मीडिया, वीडियोज और ऑनलाइन गेमिंग की बुरी तरह लत लगी है। उधर, 62 प्रतिशत पैरेंट्स ने माना कि 13 से 17 साल के बच्चे हर दिन 3 घंटे से ज्यादा स्मार्टफोन चलाते हैं। 44 प्रतिशत का कहना है कि उनके बच्चे इंटरनेट पर मनोरंजन के आदी हो चुके हैं।

कोरोना में ऑनलाइन क्लास ने बढ़ाई लत

सर्वे में लगभग 55 प्रतिशत पैरेंट्स ने बताया कि उनके 9 से 13 साल के बच्चों के पास सारा दिन स्मार्टफोन का एक्सेस होता है। यानी उन पर कोई रोक-टोक नहीं है और वे कभी भी उसका इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, 71 प्रतिशत लोगों का कहना था कि उनके 13 से 17 साल के बच्चे पूरा दिन फोन चलाते रहते हैं। सभी पेरेंट्स ने माना कि कोरोना काल में ऑनलाइन क्लास ने बच्चों में स्मार्ट गैजेट्स की लत को बढ़ाया है।

फोन चलाने से बढ़ रही एंग्जाइटी, डिप्रेशन

सोशल मीडिया के ज्यादा इस्तेमाल से आजकल बच्चे मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर्स के शिकार हो रहे हैं। उनमें स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन बढ़ रहा है। साथ ही आत्मविश्वास, फोकस और अच्छी नींद की कमी होती जा रही है। टीनएजर्स के व्यवहार में भी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। वे ज्यादा चिड़चिड़े और गुस्सैल होते जा रहे हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की मानें तो बेहतर नींद के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का यूज रोजाना 2 घंटे से कम करना चाहिए।

सोशल मीडिया चलाने की उम्र में हो बदलाव

सर्वे में 68 प्रतिशत मां-बाप ने माना कि सोशल मीडिया अकाउंट बनाने की न्यूनतम उम्र 13 साल से बढ़ाकर 15 साल करनी चाहिए। साथ ही सरकार ये सुनिश्चित करे कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की गाइडलाइंस का सख्ती से पालन हो। बच्चे 15 साल से कम होने पर अपना अकाउंट न बना सकें। यह सर्वे भारत के 287 जिलों के 65 हजार पैरेंट्स पर किया गया। इसमें 67 प्रतिशत पुरुष और 33 प्रतिशत महिलाएं थीं। 51 प्रतिशत लोग मेट्रो सिटी या टियर-1 शहर से थे। वहीं 37 प्रतिशत टियर-2 और 12 प्रतिशत टियर-3 और टियर-4 जिलों से थे। स्टडी को 9 से 13 साल के बच्चों और 13 से 17 साल के बच्चों में बांटा गया था।

किताबें पढ़ें, यही है समाधान

पुस्तक में खुद पर ध्यान देने, ज्यादा मेहनत करने और समय का बेहतर इस्तेमाल करने जैसे गंभीर विषयों पर ज्ञान भरा होता है। दरअसल आज की तारीख में हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जब सेल्फ इंप्रूवमेंट से जुड़ी जानकारियों की कमी नहीं है। ऐसे में सैकड़ों वीडियोज देखने के बाद अब लोग परेशान हो रहे हैं कि किसकी बात माने और किसकी नहीं। इस असमंजस में लोग सलाह को ठीक ढंग से जीवन में नहीं उतार पाते हैं और यह बेहतर बनने की चाह उनके लिए एक बोझ बन जाती है। ऐसे में वे सोशल मीडिया पर मौजूद दूसरे लोगों से अपनी तुलना करने लगते हैं और उनके अंदर हीन भावना जन्म लेने लगती है। जिंदगी में बदलाव चाहते है तो सोशल मीडिया पर इस तरह के ढेरों वीडियोज न देखें। किसी अच्छे लाइफ कोच से सलाह लें या किसी अच्छी किताब को फॉलो करें।

परवरिश

बच्चों को खाना बनाना सिखाएं आपसी रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी

आजकल के बच्चे खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले बर्तनों के नाम, दालों आदि के बारे में जानते ही नहीं हैं, कारण है किचन में कम आना-जाना। बच्चों को इनके नामों की जानकारी होनी ज़रूरी है, ताकि कभी अकेले ख़रीदारी करनी पड़े या बाहर हॉस्टल आदि में रहना पड़े तो मुश्किल न हो। कई बच्चे तो सब्ज़ियों के नाम भी पूरी तरह से नहीं जानते। उनसे किचन में जब काम कराएं तो उन्हें बर्तनों से लेकर उपयोग में आने वाली सभी चीज़ों की जानकारी देते चलें। इसके उलट, बच्चे जब खाना पकाने में मदद करते हैं तो उन्हें कई सब्ज़ियों-अनाजों के बारे में जानने को मिलता है। इसके अलावा उनके सेवन से होने वाले फ़ायदों के बारे में भी जानकारी मिलती है। जैसे, किस सब्ज़ी से क्या लाभ मिलते हैं, किन सब्ज़ियों को मिलाकर बनाया जा सकता है, दालों से क्या फ़ायदे मिलते हैं या कौन-सा अनाज किस मौसम में खाया जाता है।

रसोई की जानकारी दें

किचन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसे काटने में चाकू का इस्तेमाल, गैस का इस्तेमाल, प्रेशर कुकर, माइक्रोन, मिक्सी आदि का इस्तेमाल सिखाएं। भोजन को फ्रिज में संगृहीत करना सिखाएं। किसी व्यंजन को बनाने में विभिन्न सामग्रियों को मापना सिखाएं। खाने की तकनीक जैसे तलना, भूनना, उबालना आदि सिखाएं। मसालेदानी में रखे मसालों में कई गुण होते हैं- जैसे हल्दी, इलायची, लौंग, जायफल, जीरा, काली मिर्च स्वाद के साथ स्वास्थ्यवर्धक भी हैं। इनका ज्ञान कराएं। उन्हें किराना, फल व सब्ज़ियां ख़रीदने भेजें। 'फर्स्ट इन फर्स्ट आउट किचिन थम्ब रूल' यानी कि जो सामग्री पहले ख़रीदी गई उसका पहले इस्तेमाल हो अन्यथा वो ख़राब होगी, सिखाएं।

संस्कृति से पहचान

बच्चा ज़माने के साथ क़दम से क़दम मिलाकर चले, इसके लिए अभिभावक उसे टेक्नोलॉजी में पारंगत कर रहे हैं। परंतु वह केवल पढ़ाई से ही पूर्णरूपेण आत्मनिर्भर नहीं बनेगा। संपूर्ण आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खाना बनाने की प्रक्रिया सिखाने पर भी ज़ोर देना होगा। जब बच्चा खाना बनाने का महत्व समझेगा तो न केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र होगा बल्कि स्वास्थ्य के मामले में भी जागरूक होगा। बच्चों को आर्थिक प्रबंधन के साथ-साथ रसोई प्रबंधन भी सिखाना होगा। खाना बनाना केवल किचन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने आप में पूरी संस्कृति है। बचपन सही समय होता है संस्कार और संस्कृति रोपने का।

रुचि पता चलती है

बच्चे खाने-पीने में बेहद नखरीले होते हैं। उन्हें क्या पसंद है क्या नहीं माता-पिता अक्सर इस असमंजस में रहते हैं। किचन में हाथ बंटाते समय माता-पिता को यह जानने में आसानी रहती है कि बच्चे को क्या पसंद है, क्योंकि बच्चा उसी चीज़ की ओर आकर्षित दिखता है। जैसे उसे आलू पसंद हैं तो वह आलू काटते हुए उनसे बने व्यंजन खाने के लिए उत्सुक रहता है।

स्वास्थ्य की सुरक्षा

आज के इस तकनीकी व भागदौड़ वाले युग में पति-पत्नी दोनों कमाते हैं। बच्चे भी उच्च शिक्षा के लिए जल्दी ही घर से दूर रहने लगते हैं। देश-विदेश में पढ़ते हैं, नौकरियां करते हैं। ऐसे में सामाजिक विविधता के कारण बच्चों को खानपान में कई तरह समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सही खानपान न होने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी झेलनी पड़ती हैं। ऐसे में अगर अभिभावक परवरिश के अंतर्गत खाना पकाना भी सिखाते हैं, तो सही मायने में संपूर्ण आत्मनिर्भरता बच्चों को सिखा पाएंगे।

मानसिकता में बदलाव

खाना पकाना केवल मां का काम है, या फिर लड़कियों का- यह सोच भी दूर की जा सकती है। आज बेटियां/पत्नियां घर की आय में योगदान दे रही हैं, तो स्वाभाविक ही पुरुषों को भी रसोई के कामों में हाथ बंटाना चाहिए। जब मां या पत्नी बीमार हो तो खाने के लिए सिर्फ बाहर का रास्ता नहीं होना चाहिए। बच्चा भी बाहर निकलकर केवल कुक, टिफिन या मेस पर निर्भर नहीं होना चाहिए, बल्कि समय पड़ने पर उसे स्वयं को व दूसरों को खाना उपलब्ध कराने में सक्षम होना चाहिए। खाना पकाने के माध्यम से ही पहले माताएं बच्चों को जीवन की शिक्षाएं देती थीं, जैसे कि संतुलन, मापन, साफ़-सफ़ाई, योजना बनाना, सबका ध्यान रखना आदि। अतः खाना बनाना सिखाया जाना जीवन की बुनियादी आवश्यकता है।

परवरिश

बच्चों को ज्यादा डांटना ठीक नहीं, जानें पीसफुल पैरेंटिंग के बारे में

बच्चे की गलती पर मां-बाप अक्सर डांटते हैं, कभी-कभी पिटाई भी कर देते हैं। पैरेंटिंग के इन तरीकों के बारे में तो हर कोई जानता है लेकिन क्या आपने पीसफुल पैरेंटिंग के बारे में सुना है? पीसफुल पैरेंटिंग आपकी अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने से शुरू होता है ताकि आप भावनात्मक रूप से अधिक उदार और शांतिपूर्ण माता-पिता बन सकें।

पीसफुल पैरेंटिंग अपने इमोशंस को कंट्रोल करने से शुरू होती है। पीसफुल पैरेंटिंग में पीस यानि शांति पैरेंट्स से आती है। आइए जानते हैं पीसफुल पैरेंटिंग के फायदे-

बच्चा रहता है खुश

जब मां-बाप अपने इमोशंस को कंट्रोल करना और गलती होने पर बच्चे को कोई सख्त सजा देने के बजाय उसे प्यार से समाने का तरीका अपनाते हैं तो इससे बच्चा खुश रहता है और आसानी से एडजस्ट कर लेता है। कई बार वो बिना कोई सवाल पूछे ही एडजस्ट कर लेते हैं। अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे का स्वभाव शांत रहे और वो हर परिस्थिति में खुद को ढालने के काबिल बने तो आपको पीसफुल पैरेंटिंग जरूर अपनानी चाहिए।

बॉन्ड बनता है

पीसफुल पैरेंटिंग में माता-पिता अपने बच्चों के साथ शांति और प्यार से कनेक्ट कर पाते हैं। यहां पैरेंट्स और बच्चे दोनों ही एक-दूसरे से अपने मन की बात कह पाते हैं। इससे पैरेंट्स और बच्चे एक-दूसरे के करीब रह पाते हैं और इनका बॉन्ड भी मजबूत बनता है।

इमोशनली इंटेलिजेंट

जब पीसफुल पैरेंटिंग अपनाने वाले माता-पिता के बच्चे बड़े होते हैं, तो वे भावनात्मक रूप से बुद्धिमान वयस्क बन सकते हैं, जो मेहनती आत्म-अनुशासन, गहरी सोच और जिम्मेदारी की कर्तव्यपरायणता का गुण रखते हैं। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे में ये सारे गुण हों, तो आप उसकी परवरिश पीसफुल पैरेंटिंग के साथ ही करें।

कैसे करें पीसफुल पैरेंटिंग

मान लीजिए कि आपका टॉडलर बच्चा पब्लिक में चिल्लाता है या रोता है, उस समय आप कुछ मिनट के लिए चुप या शांत हो जाइए और अपने इमोशंस को स्वीकार करने की कोशिश कीजिए। चुपचाप एक से पांच तक गिनती करें और कुछ गहरी सांसें लें।

कनेक्शन पर ध्यान दें

पीसफुल पैरेंटिंग में कनेक्शन महत्वपूर्ण होत है। इसलिए ट्राई करने और अपने बच्चे को बदलने से पहले आप उसके साथ बॉन्ड बनाना शुरू करना वरना ये होगा कि आपने उसे पनिशमेंट देना तो बंद कर दिया लेकिन अभी भी उसे सही चीज या काम करने के लिए मोटिवेशन नहीं मिली है। रोज बच्चे के साथ कनेक्ट करने के लिए उसके साथ थोड़ा समय बिताएं।

दिमाग लगाओ

3 , 2 , 4 = 10
4 , 3 , 5 = 17
5 , 4 , 6 = 26
6 , 5 , 7 = 37
7 , 6 , 8 = ?

रंग भरो

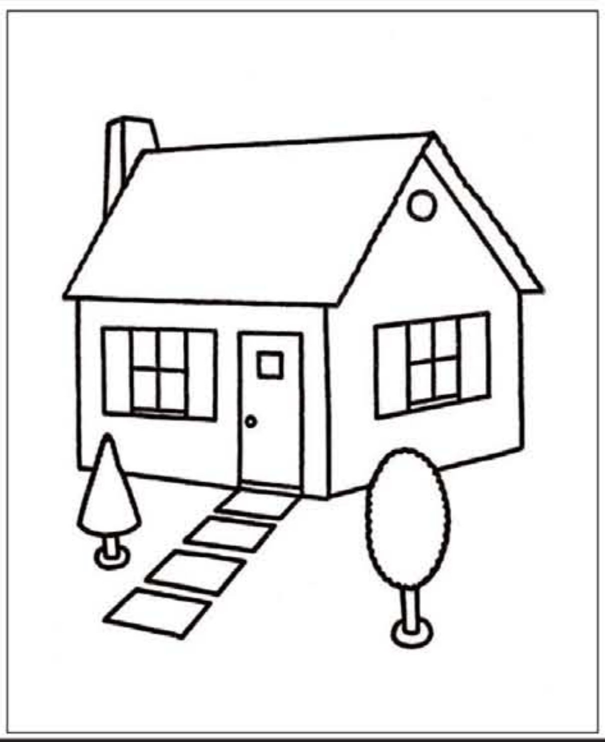

शब्द बनाओ

R	L	S	E	N	Y	B	F	Q	S	A	H
X	E	R	K	C	M	O	P	D	N	J	I
S	C	T	V	A	O	S	K	I	O	G	T
W	E	D	N	K	T	A	H	Z	W	L	O
O	C	C	X	I	F	I	T	P	M	A	Z
L	O	J	I	R	W	T	N	Y	A	B	S
E	L	W	E	P	I	L	S	G	N	T	S
B	D	E	V	C	F	M	R	E	O	L	E
N	Z	S	E	T	A	K	S	O	E	G	T
E	T	U	D	K	P	S	B	D	Y	N	I
R	S	N	O	W	B	A	L	L	C	U	H
F	I	L	S	A	R	U	N	Y	I	B	W

BELOW, BOOTS, COAT, COLD, FREEZE, ICE, ICY, SKATES, SKATING, SKI, SLED, SLIP, SNOWBALL, SNOWMAN, WHITE, WINTER

रास्ता ढूंढो

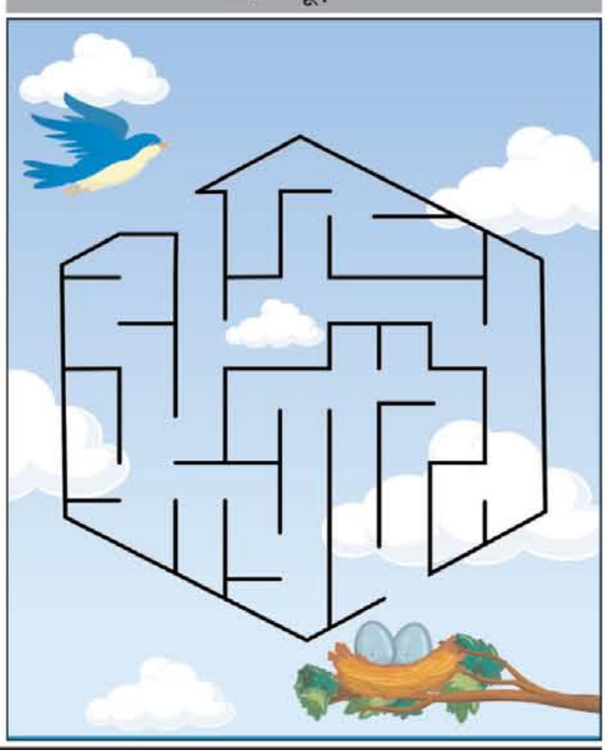

रणबीर कपूर के बाद अब आलिया भट्ट भी करेंगी एक्शन

कोविड काल के बाद से एक्शन जॉनर की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर जमकर बिजनेस कर रही हैं। पहले 'पठान', फिर 'गदर 2', इसके बाद 'जवान' और अब 'एनिमल'। इन सभी फिल्मों में दर्शकों ने एक्शन करते हुए एक्टर को खूब पसंद किया है। इस जॉनर की सफलता को देखते हुए मेकर्स अब एक्ट्रेसेस के साथ भी एक्शन फिल्में बनाने की तैयारी कर रहे हैं। नए साल में इसकी शुरुआत आलिया भट्ट से होगी। चर्चा है कि वो बैक-टू-बैक दो एक्शन फिल्में करने वाली हैं। पहली धर्मा प्रोडक्शंस की 'जिगरा' है और दूसरी यशराज फिल्म्स की एक अनटाइटल्ड फिल्म है, जिसका कनेक्शन यशराज के स्पाई यूनिवर्स से होगा। इसमें आलिया के साथ शरवरी वाघ हो सकती हैं।

फिल्म में भाई की रक्षा करती नजर आएंगी आलिया

फिल्म में आलिया के किरदार का कोई रोमांटिक एंगल नहीं है। इसके बजाय वो अपने भाई की रक्षा करती नजर आएंगी। इसमें आलिया के भाई के रोल में वेदांग रैना हैं। वेदांग इसके अलावा नेटफ्लिक्स की फिल्म 'द आर्चीज' में भी नजर आ रहे हैं। इसके अलावा फिल्म में मनोज पाहवा भी हैं। वो आलिया के पिता के किरदार में नजर आ सकते हैं। फिल्म की कहानी एक मर्डर मिस्ट्री से जुड़ी हुई हो सकती है।

एक दिन शूट के बाद दो दिन की ट्रेनिंग

फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि फिल्म में आलिया का एक्शन रियलिस्टिक लगे इसके उन्होंने शूटिंग से पहले काफी बास्केटबॉल खेला है। सूत्र बताते हैं कि, 'आलिया शूट के बीच-बीच में एक्शन ट्रेनिंग ले रही हैं। सरल शब्दों में कहा जाए तो अगर वो एक दिन शूट करती हैं तो दो दिन एक्शन और स्टंट सीखने में लगाती हैं। फिल्म की शूटिंग और ट्रेनिंग बैक एंड फोर्थ टाइमजोन में हो रही है।'

धर्मा के साथ पहली बार काम कर रहे हैं वासन

इस फिल्म को वासन बाला बना रहें हैं। उन्होंने इससे पहले 'मर्द को दर्द नहीं होता' और 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' जैसी फिल्में बनाई हैं। सिनेमैटोग्राफी का भार स्वप्निल सोनावने को दिया गया है। उनके साथ वासन पहले भी काम कर चुके हैं। आलिया और धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जरूर वासन पहली बार काम कर रहें हैं।

मुंबई के बाद बैंकॉक जा सकते हैं मेकर्स

फिलहाल तो इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में जारी है पर आगे कलाकार इंडिया से बाहर का भी रुख करेंगे। टेक्निकल क्रू सिंगापुर, मलेशिया और बैंकॉक में रेकी कर रही है। इन तीनों में से किसी एक जगह पर फिल्म की शूटिंग की जाएगी।

पंकज त्रिपाठी के लिए कठिन था कड़क सिंह का किरदार

पंकज त्रिपाठी आज इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता हैं। करियर की शुरुआत उन्होंने छोटे-छोटे रोल निभाकर की, लेकिन अपने शानदार अभिनय की बदौलत आज उन्होंने अपना बड़ा नाम कमा लिया है। पर्दे पर अपना किरदार अदा करने के लिए वे उसमें पूरी जान झोंक देते हैं। अभिनेता जल्द ही फिल्म कड़क सिंह में नजर आएंगे। ये फिल्म इसी महीने ओटीटी पर दस्तक देगी। पंकज त्रिपाठी ने हाल ही में इस फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया।

बोले फिल्म को बनाना बेहद कठिन था

हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी ने बताया कि फिल्म कड़क सिंह में उनका रोल काफी चुनौतीपूर्ण था। अभिनेता ने कहा, लिखना, स्क्रीनप्ले करना सबकुछ कठिन था। इस फिल्म को बनाना ही बेहद कठिन रहा। इस फिल्म पर और भी काम करने की जरूरत थी, क्योंकि ये एक अलग कंटेंट है। इसके साथ ही पंकज त्रिपाठी को पूरी उम्मीद है कि फिल्म जैसी भी बनी है, अच्छी है और इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिलेगा।

ओटीटी एक्सपर्ट नहीं

फिल्म कड़क सिंह एक थ्रिलर विषय पर बनी है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बेहतर काम करने के लिए अभिनेता को खासतौर से जाना जाता है। इसे लेकर पंकज त्रिपाठी ने कहा, मैं सिनेमा या ओटीटी का एक्सपर्ट नहीं हूं लेकिन मैं जानता हूं कि अच्छी एक्टिंग कैसे करते हैं। मैं जानता हूं कि आज की जनता ओटीटी पर फिल्में देखना पसंद करती है और बहुत से लोगों को डिजिटल कंटेंट ही पसंद आते हैं। तो देखते हैं ये हमें कहां ले जाता है।

इस ओटीटी पर होगी रिलीज

बता दें कि कड़क सिंह आठ दिसंबर 2023 सें श्श्5 पर स्ट्रीम होगी। फिल्म कड़क सिंह का निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया है, जिसमें पंकज त्रिपाठी के अलावा जया अहसान, संजना सांगी, परेश पाहुजा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। बता दें कि इस फिल्म के अलावा पंकज त्रिपाठी अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मैं अटल हूं को लेकर भी चर्चा में हैं। ये फिल्म 19 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

औरों में कहां दम था में साथ काम करेंगे अजय देवगन और तब्बू

अजय देवगन और तब्बू एक साथ फिर काम करने वाले हैं। ये दोनों नीरज पांडे की डायरेक्शन में बनी फिल्म औरों में कहां दम था में साथ दिखेंगे। यह रोमांटिक-ड्रामा फिल्म अगले साल 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अजय देवगन और तब्बू ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की है। अजय देवगन ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- नीरज पांडे के साथ मेरा कोलैबरेशन। औरों में कहां दम था 26 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म की कहानी 2002 से 2023 के बीच की होगी। इन बीस सालों की म्यूजिकल लव स्टोरी पर्दे पर दिखाई जाएगी। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म में जिमी शेरगिल, साई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक एम एम क्रीम ने कंपोज किया है। दृश्यम 2 में अजय देवगन, तब्बू के साथ नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। अजय देवगन को आखिरी बार एक्शन-थ्रिलर ड्रामा भोला में देखा गया था। उन्होंने इस फिल्म का डायरेक्शन भी किया था और साथ ही फिल्म को प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म को मिक्स्ड रिव्यूज मिले थे और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कलेक्शन किया था। अजय फिलहाल रोहित शेट्टी की कॉप सीरीज सिंघम अगेन में दिखेंगे।

मनोज बाजपेयी ने साझा किया जोरम की शूटिंग का अनुभव

मनोज बाजपेयी जल्द ही फिल्म जोरम में नजर आएंगे, जो इसी महीने रिलीज होने जा रही है। फिलहाल वे इसका जोर-शोर से प्रमोशन कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मनोज बाजपेयी कई तरह की चुनौतियों से रूबरू हुए। हाल ही में खुद उन्होंने इस बात का जिक्र किया। अभिनेता ने बताया कि झारखंड में जोरम की शूटिंग के दौरान उन्हें मौसम संबंधी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

मनोज ने टीम को कहा शुक्रिया

मनोज बाजपेयी ने बताया कि उन्होंने झारखंड में खराब मौसम के बीच जोरम फिल्म को शूट किया है। मनोज बाजपेयी ने जोरम फिल्म की शूटिंग का अनुभव बताते हुए कहा, इस फिल्म की शूटिंग बिल्कुल आसान नहीं थी। पूरी टीम का धन्यवाद, जिन्होंने इस मुश्किल काम को कर दिखाया। मैं गर्व महसूस कर रहा हूं कि इस फिल्म का हिस्सा बना हूं। मनोज बाजपेयी के साथ-साथ निर्देशक देवाशीष मखीजा ने भी इस फिल्म की शूटिंग के अनुभव को बेहद चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग के दौरान ऐसा लगा जैसे कि हम इस फिल्म को बनाने के लिए प्रकृति से लड़ाई लड़ रहे हैं। निर्देशक ने आगे बताया कि कोविड महामारी की वजह से लगे लॉकडाउन के चलते इस फिल्म की शूटिंग में देर हुई और इस वजह से पूरी फिल्म मई के महीने में झारखण्ड में रही। निर्देशक ने कहा, उस वक्त वहां का तापमान 51-52 डिग्री सेल्सियस था। टीम को वही सारे सेफ्टी मेजर लेने पड़े, जो खदान में उतरते वक्त कोई मजदूर लेता है। जोरम फिल्म की शूटिंग करना ऐसा था, मानों किसी युद्ध पर गए हैं।

अगस्त्य नंदा ने सुहाना खान को बताया गॉसिपिंग क्वीन

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा कुछ ही दिनों में आने वाली फिल्म द आर्चीज के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत करेंगे। अगस्त के डेब्यू को लेकर पूरा बच्चन परिवार उत्साहित है। वहीं, अगस्त्य भी अपने पोस्ट से अपने फैंस को अपनी आगामी फिल्म को लेकर ढेर सारी जानकारियां साझा करते रहते हैं। अब हाल ही में, अगस्त ने सुहाना खान को गॉसिपिंग क्वीन बताया है। चलिए जानते हैं कि अभिनेता ने और क्या कहा है। द आर्चीज से शाहरुख खान की बेटी सुहाना, मेगास्टार अमिताभ बच्चन के पोते अगस्त्य और अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी खुशी अभिनय की शुरुआत कर रही हैं। बॉलीवुड गलियारों में अभी इन स्टार किड्स की जोरों-शोरों से चर्चा चल रही है। इन सब के बीच ये स्टार किड्स भी अपने बयानों से खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बीच सुहाना खान और अगस्त्य नंदा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अगस्त्य नंदा को कहते सुना जा रहा है, मैं तुम्हें सबसे लंबे समय से जानता हूं और मैं पुष्टि कर सकता हूं कि तुम सबसे कम मजाकिया हो। जिस पर सुहाना कहती हैं, हां, लेकिन मजाकिया और किसी का मजाक उड़ाना दोनों में काफी फर्क है। वीडियो में अगस्त्य को यह भी कहते सुना जा सकता है कि सुहाना उनके ग्रुप की बड़ी गॉसिपिंग क्वीन हैं। सुहाना को कोई भी सीक्रेट नहीं बताया जा सकता है क्योंकि उनके पेट में कोई बात नहीं पचती है। अगस्त्य की यह बात सुनकर बाकी सभी लोग जोर से हंसने लगते हैं। बता दें कि द आर्चीज में सुहाना के अलावा फिल्म में खुशी कपूर, अगस्त्य नंदा, मिहिर आहूजा, वेदांग रैना आदि नजर आएंगे। किंग खान की बेटी सुहाना खान के डेब्यू को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। बात करें शाहरुख की तो अगले महीने उनकी फिल्म डंकी भी रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 22 दिसंबर 2023 को रिलीज होगी।

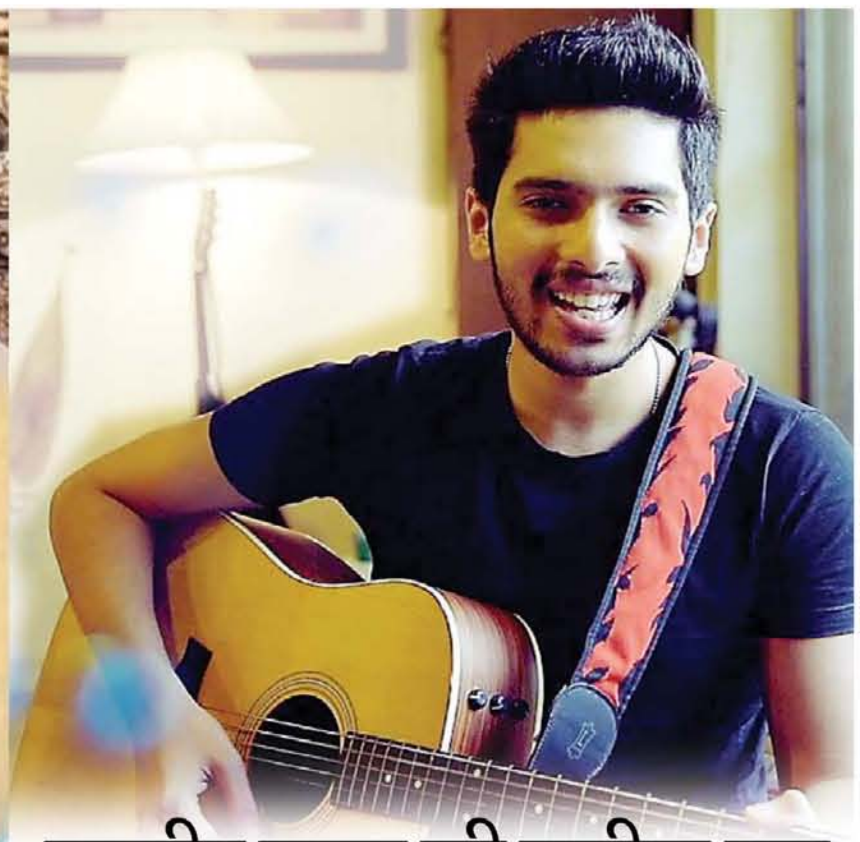

रणबीर कपूर की तारीफ कर बुरे फंसे अरमान मलिक

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म एनिमल अपनी रिलीज के बाद ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए हैं। हालांकि, इसे तारीफ के साथ-साथ जबरदस्त आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। एनिमल के कारण गायक अरमान मलिक को भी ट्रोल्स ने आड़े हाथों ले लिया। दरअसल, गायक ने फिल्म देखने के बाद रणबीर को इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता कह दिया। वहीं, अब ट्रोल्स पर खुद अरमान ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही अपने बयान से सुर्खियों का हिस्सा बन गए हैं। गायक अरमान मलिक ने उन ट्रोल्स को जवाब दिया है जो रणबीर कपूर को हमारी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता कहने के बाद उन्हें एक व्यक्ति के रूप में आंक रहे थे। रणबीर की नवीनतम फिल्म, एनिमल वर्ष की सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाली फिल्म बन गई है। जहां कई लोग फिल्म की सराहना कर रहे हैं, वहीं आलोचकों और कुछ फिल्म देखने वालों ने इसे स्त्री-द्वेषी, रक्तरंजित और अत्यधिक हिंसक होने के कारण इसकी आलोचना की है। एनिमल में रणबीर कपूर के अभिनय की सराहना करने के लिए ट्रोल किए जाने के बाद, अरमान ने एक्स पर लिखा, मुझे नफरत है कि मुझे किसी के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता होने के बारे में जो महसूस होता है उसे कहने से इतने सारे लोग मेरी तरफ आ रहे हैं। मुझे एक व्यक्ति के रूप में आंकने पर आप लोगों को वास्तव में शांत होने की जरूरत है। मैंने वह ट्वीट किसी की कला की प्रशंसा में लिखा था, और वह यही था। कृपया अपनी नफरत कहीं और ले जाएं। धन्यवाद। इसके साथ गायक ने हाथ जोड़ने वाले इमोजी का भी इस्तेमाल किया है।

फाइटर के बाद इस फिल्म में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फाइटर को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। अभिनेत्री इंग्लिश फिल्म द इंटर्न के हिंदी रीमेक में नजर आएंगी। इसका शूटिंग शेड्यूल भी आ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अगले साल जनवरी या फरवरी में फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा जा रहा है कि फिल्म में अमिताभ बच्चन की भूमिका हो सकती है। हालांकि, बिग बी की भूमिका को लेकर अभी आधिकारिक रूप से कोई खुलासा नहीं हुआ है। बताते चलें कि पहले द इंटर्न के रीमेक को बीते वर्ष यानी 2022 में रिलीज करने की बात की जा रही थी, लेकिन कुछ वजहों के चलते ऐसा संभव नहीं हो सका। वर्ष 2021 में दीपिका पादुकोण ने इंग्लिश फिल्म द इंटर्न के हिंदी रीमेक को ऋषि कपूर के साथ बनाने की घोषणा की थी। ऋषि कपूर अब इस दुनिया में नहीं रहे। कुछ वक्त पहले इस फिल्म में ऋषि कपूर की जगह अमिताभ बच्चन को साइन किए जाने की बात भी सामने आई थी। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक रूप से कोई अपडेट अभी तक नहीं दिया गया है। अफवाह तो ये भी थी कि फिल्म बंद हो चुकी है।

जोया अख्तर ने दिया अपडेट बनने वाला है जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल?

साल 2011 में दस्तक देने वाली मल्टी स्टारर फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा रिलीज होते ही दर्शकों की पसंदीदा फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई थी। जोया अख्तर की कमाल की कहानी और फरहान, ऋतिक और अभय देओल की जानदार अदाकारी ने जिंदगी न मिलेगी दोबारा को दर्शकों का असीम प्यार पाने में सफल किया। फिल्म को लेकर सभी के दिलों में इस कदर दीवानगी है कि समय-समय पर जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 की चर्चा शुरू हो जाती है। फैंस लंबे समय से फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं और जिंदगी न मिलेगी दोबारा फिल्म के प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है। दरअसल, हाल ही में एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में निर्देशक जोया अख्तर ने फिल्म के सीक्वल पर अपडेट दिया है। इन दिनों अपनी आगामी फिल्म द आर्चीज को लेकर सुर्खियों में बनी हुई जोया अख्तर की फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा की चर्चा भी अक्सर होती रहती है। दोस्ती... ट्रेवल और रिश्तों की कहानी को बड़ी ही सफलतापूर्वक दिखाने वाली इस फिल्म की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। जहां एक तरफ जोया अख्तर इन दिनों द आर्चीज का जमकर प्रचार-प्रसार कर रही हैं, वहीं दूसरी तरफ जिंदगी न मिलेगी दोबारा के सीक्वल को लेकर सवाल उनका पीछा नहीं छोड़ते हैं। निर्देशक जहां भी पहुंचती हैं, वहीं उनसे ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल स्टारर इस फिल्म के सीक्वल की चर्चाएं उनका पीछा करते-करते हुए वहां पहुंच जाते हैं। हाल ही में इंटरव्यू में जोया अख्तर से पूछा गया कि क्या वह जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल बनाने की योजना बना रही हैं, तो उन्होंने एएनआई को बताया, हां, यह हर समय सामने आता है और हर कोई इसमें रुचि रखता है। निर्माता रुचि रखते हैं, अभिनेता रुचि रखते हैं और हम रुचि रखते हैं। वह फिल्म हमारे लिए बहुत मायने रखती है... जोया अख्तर ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, ... इसलिए, अगर हमें जिंदगी न मिलेगी दोबारा के सीक्वल की कहानी के लिए वह खास चीज मिल जाती है, तो हम इसे बनाएंगे।

विकसित भारत के लिए इंस्टीट्यूशंस को इंडस्ट्री से जोड़ना होगा : योगी आदित्यनाथ

नोएडा (चेतना मंच)। देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए हमें अपने इंस्टीट्यूशन्स को इंडस्ट्री के साथ जोड़ना ही होगा। अगले 25 साल के लिए हमें अपना लक्ष्य तय करना होगा। जब देश की 142 करोड़ की आबादी एक स्वर से आगे बढ़ने के संकल्प के साथ उठ खड़ी होगी तो कोई कारण नहीं कि हमारा देश विकसित भारत न बने।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां ग्रेटर नोएडा स्थित बैनेट यूनिवर्सिटी के 5वें दीक्षांत समारोह के दौरान कही। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। सीएम योगी का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति ने अंगवस्त्रम पहनाकर किया। इस अवसर पर बीटेक छात्र ने मुख्यमंत्री को श्रीराम दरबार का चित्र भेंट किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह प्राचीन भारत के विश्वविद्यालय और गुरुकुलों के समावर्तन समारोह का परिवर्तित रूप है।

मुख्यमंत्री ने बैनेट यूनिवर्सिटी के 5वें दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सामान्य जीवन में जिसे हम धर्म कहते हैं वो वास्तव में धर्म नहीं है, यह मात्र उसका एक भाग हो सकता है। उपासना विधि को धर्म नहीं मान सकते। ये व्यक्तिगत कार्य है। धर्म एक व्यापक अवधारणा है, जो हमें कर्तव्यों, नैतिक मूल्यों के साथ सदाचार के मार्ग का अनुसरण करने की प्रेरणा देता है। जब जब भारत के युवाओं ने इस मार्ग का अनुसरण किया तब भारत को दुनिया की बड़ी ताकत बनने में देर नहीं लगी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के पंच प्रण की चर्चा करते हुए कहा कि ये हर भारतवासी का संकल्प बनना चाहिए, फिर चाहे वो जिस भी क्षेत्र में कार्य कर रहा हो। यह तभी हो पाएगा जब हम सबके सामने देश के लिए नेशन फर्स्ट का विजन हो। हमारा हर काम देश के नाम होना चाहिए। मेरा व्यक्तिगत, मेरा परिवार की भावना को देश के बाद रखना होगा।

मुख्यमंत्री ने बैनेट यूनिवर्सिटी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इसने अपने मात्र सात साल के कार्यकाल में बहुत सी उपलब्धियों को प्राप्त किया है। यह एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि शिक्षण संस्थाओं को अपनी लोकैलिटी के लिए जरूर प्रयास करना चाहिए। साथ ही भारत को विकसित भारत के रूप में स्थापित करना है तो इंस्टिट्यूशंस को इंडस्ट्री से जोड़ना होगा। उन्होंने बैनेट विश्वविद्यालय की इस बात के लिए तारीफ की कि इसके साथ 20 से अधिक इंड्स्ट्री के सीईओ जुड़े हैं, जो यहां के छात्रों को मार्गदशन दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान इंसेफेलाइटिस और कोरोना महामारी के दौरान स्पष्ट विजन, टीम वर्क और अनुभव के महत्व की चर्चा करते हुए छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर बैनेट विश्वविद्यालय के कुलाधिपति विनीत जैन, प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, राज्यमंत्री ब्रजेश सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजीत अब्राहम, निखिल कामत सहित फैकल्टी मेंबर और बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं और उनके परिजन मौजूद रहे।

नोएडा के किसानों को जल्द दिए जाएं आबादी के भूखंड: मनोज गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के किसानों की वर्षों पुरानी मांग के समर्थन में उतरते हुए भाजपा के महानगर अध्यक्ष ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर किसानों को आबादी के भूखंड देने के प्रस्तव को जल्द पास करने की अपील की है।

भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर यह मांग की है। महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने पत्र में लिखा है कि नोएडा प्राधिकरण पिछले 4-5 वर्षों से किसानों के प्रति गलत रवैया अपना रहा है जिस कारणा क्षेत्र में किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। किसानों के आंदोलन के दौरान जनप्रतिनिधियों, भारतीय किसान यूनियन, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की मध्यस्थता के बाद किसानों से कई अहम समझौते हुए हैं।

महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने पत्र में कहा है कि नोएडा प्राधिकरण की 212वीं बोर्ड बैठक में वर्ष-1997 से अब तक अर्जित भूमि के समक्ष किसानों को 10 फीसदी आबादी भूखंड या फिर भूखंड के समान धनराशि प्रदान किये जाने संबंधी प्रस्ताव को बनाकर शासन को भेजा गया है।

किसानों का अधिकार नहीं दे रहा प्राधिकरण

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में नोएडा महानगर अध्यिक्ष मनोज गुप्ता ने कहा है कि नोएडा प्राधिकरण के पास घोटाला करने में पैसा लेने का समय है परन्तु जिन किसानों की जमीन प्राधिकरण ने ली है उन किसानों को उनके अधिकार की जमीन व पैसा देने के लिए समय नहीं है। मनोज गुप्ता ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि नोएडा के किसानों को 10 फीसदी आबादी भूखंड देने के प्रस्ताव को जल्द पास कराकर किसानों की समस्या का समाधान किया जाए।

हंस फाउंडेशन ने विकलांगों को किया प्रोत्साहित

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-35 स्थित मोरना गांव के सामुदायिक केंद्र में अंतराष्ट्रीय विकलांगता दिवस के अंतर्गत द हंस फाउंडेशन ने विकलांगों को प्रोत्साहित किया। विकलांगों को इस दौरान टीएलएम किट वितरित किए गए।

इस मौके पर जिला निशक्तता पदाधिकारी आशीष कुमार सिंह, एनआईईपीआईडी की प्रभारी अधिकारी अमृता सहाय भी उपस्थिति रहीं।

इस कार्यक्रम में सेतु, नोएडा बाधिर सामाज सक्षम सर्वोदय अस्पताल, शौर्य फाउंडेशन, चैलेंजर्स ग्रुप समेत कई अन्य संस्थाओं ने भी अपनी भूमिका निभाई।

यहां कई तरह के आकर्षक स्टॉल्स भी लगाए गए। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने विकलांगों का हौंसला भी बढ़ाया।

इस मौके पर फैज़ल, श्रीमती शाहीन, अमृता, सबरी घोष, शबीना बानो, तनुजा एवं नोएडा बस थेरेपी प्रोजेक्ट टीम मौजूद रही।

शराब छुड़ाए बिना बताए
अफीम, चरस, स्मैक की आदत छुड़ायें
नशा मुक्ति केन्द्र
नोएडा
नया बाँस, सैक्टर-15, नरूला होटल के सामने,
कार पार्किंग के पिछले कोने के पास
रोजाना 1 से 4 बजे तक (मंगलवार बन्द)
फरीदाबाद
सैक्टर-15ए पटेल भवन निकट (बीकानेर मिष्ठान भण्डार)
(सिर्फ हर मंगलवार) समय 10 बजे से शाम 6 बजे तक
मो०-9818250344

'पेयजल का स्थायी समाधान किया जाए'

नोएडा (चेतना मंच)। स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए,

अवैध कालोनियों पर कसा जाए शिकंजा पंकज सिंह ने की सीएम से मांग

किसान और फ्लैट बायर की समस्याओं को शुक्रवार को नोएडा विधायक पंकज सिंह ने ग्रेटर नोएडा आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने उठाया। उन्होंने अवैध रूप से लगातार बढ़ी रही कालोनियों पर भी शिकंजा कसने की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सभी समस्या के तेजी से निस्तारण के निर्देश दिए।

पंकज सिंह ने मुख्यमंत्री से मांग की कि डिप्टी रजिस्ट्रार आफिस को स्थाई रूप से नोएडा शिफ्ट किया जाए। जिससे सभी आरडब्ल्यूए व अन्य संगठनों के चुनाव पारदर्शिता और समय पर हो सके। रजिस्ट्रार कार्यालय स्थाई रूप से नोएडा में संचालित होने पर यहां के लोगों को मेरठ तक नहीं दौड़ना पड़ेगा। अभी रजिट्रार दो दिन नोएडा में बैठ रहे हैं।

इस नोएडा में बैठक की व्यवस्था को पूरे प्रतिदिन बैठने के रूप में बदला जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि सेक्टर, ग्रुप हाउसिंग और गांवों में पेयजल की गुणवत्ता काफी खराब है। पानी में टीडीएस की मात्रा को नियंत्रित करने के लिए स्थाई समाधान किया जाए। जिससे लोगों को बोतलबंद पानी पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने किसानों की मांगों और उनकी समस्याओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

उन्होंने शहरीकरण की आड़ में डूब क्षेत्र के साथ गांवों के आसपास बढ़ रही अवैध कालोनियों पर शिकंजा कसने की मांग की। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन सभी समस्याओं के स्थाई समाधान की दिशा में गंभीरता और तेजी से कार्य करें।

'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में पहुंचे विधायक

नोएडा (चेतना मंच)। तीसरे दिन 'विकसित भारत संकल्प यात्रा बरौला हनुमान मंदिर के पास 75मी रोड और सामुदायिक केंद्र मोरना में रही जहां भारत सरकार की सभी योजनाओं को लेकर प्रदर्शनी और कैम्प लगाये गये। इस मौके पर विधायक पंकज सिंह, महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता मौजूद थे।

पंकज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित देश 2047 में बनने जा रहा है और अमेरिका, जापान, इंग्लैंड, जर्मनी आदि देशों की श्रेणी में आ जाएगा। सरकार की सभी लाभकारी योजाओं से आज जन जन को लाभ मिल रहा है। पिछले 5 वर्ष से चल रही गरीबों को फ्री राशन योजना को भी आगे बढ़ाया गया है। विधायक ने सभी लोगों से इस योजनाओं को विस्तार से जानने और इन स्कीमों से लाभ लेने को कहा।

यात्रा में मोबाइल वैन पर एलईडी स्क्रीन, आडियो विजुअल सामग्री ब्रोशर, बुकलेट आदि सज्जित है । राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नोडल अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाई गई है, जिसमें केंद्रीय संगठन और संस्थानों के दो प्रतिनिधि रहेंगे। यह समिति सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करेगी।

कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष गोपाल गौड़, गोविंद कौरंगों, जिला महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, गिरजा सिंह, डा. वीएस चौहान, महेश अवना, गिरीश कोटनाला, छान अवाना, संजय बैंसला, मनोज चौहान, धर्मेंद्र चौहान, बबलू यादव, उमेश यादव, सरफ़राज अली, मल्लिकेश्वर झा, सुचित्रा कक्कड़, ओम यादव, राहुल शर्मा, अनु चौधरी, विवेक मिश्रा, करतार सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, इंद्रजीत खटाना सहित जिला व मंडल के अन्य पदाधिकारगण उपस्थित रहे।

SAHARA BUILDER & PROPERTIES™
ISO 9001:2008
PROPERTIES AVAILABLEFORSALE IN GREATER NOIDA

RESIDENTIAL

S.No	Plot Size	House No./Block	Price	Other Details
1	300 Sq.mtr	C-291, Sigma - 02	92 Lakh	Completion, S/W
2	200 Sq.mtr	G-660, Alpha - 02	1.25 Cr.	Completion,N/E & 18 MTR Road
3	60 Sq.mtr	G-439, Gamma - 02	52 Lakh	Single Story, Corner(18X12),N/E
4	1265 Sq.ft	Silver City - 02, Pl-1	55 Lakh	2+1 BHK Apartment
5	29.76 Sq.ft	3TF/Block-60, Sector - 10	9 Lakh	1 BHK, Top Floor
6	2450 Sq.ft	Royal Apartment(Duplex), Sigma - 04	On Request	4BHK, Low rise, Lift
7	237 Sq.mtr	C-363, Sector - 03(EXTN)	1.40 Cr.	50% Completion, Corner, N/ W
8	110 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
9	131 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	23000/Sq.Mtr.	Corner Plot
10	930 Sq.mtr	5% Plot, CHI PHI EXTN	14000/Sq.Mtr.	Corner Plot

COMMERCIAL

S.No	Shop Size	Complex Address	Price	Other Details
1	29.5 Sq.mtr	Block - C, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, Corner, N/E
2	463 Sq.ft	NQI Plaza, Alpha - 01	95 Lakh	G.Floor, N/E
3	19.5 Sq.mtr	Kadamba Shopping Complex, Gamma -01	40 Lakh	G.Floor, N/W
4	8.15 Sq.mtr	Kiosk, P-3	22 Lakh	24 Mtr Road, N/W

CONTACT US :+919810441077, +919710441077
Add- Office No. 205, Sunrise Tower, Alpha 1
Commercial Belt, Gr.Noida, G.B.Nagar, U.P-2010308

गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के हैलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते भाजपा के महामंत्री उमेश त्यागी व अन्य। फोटो : चेतना मंच

केन्द्रीय विद्यालय दादरी में हुआ वार्षिक खेल दिवस

दादरी (चेतना मंच)। केंद्रीय विद्यालय एन.टी.पी.सी दादरी ने विद्युत नगर स्थित महाराणा प्रताप स्टेडियम में विद्यालय के वार्षिक खेल दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। छात्रों द्वारा परेड निकालने के बाद खेल-कूद प्रतियोगिता में हिस्सा लिया गया।

वार्षिक खेल दिवस समारोह में मुख्य अतिथि एन.एन. सिन्हा (नामित अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंध समिति, के.वि. एन.टी.पी.सी दादरी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती राधिका राव, अध्यक्षा जागृति समाज, एन.टी.पी.सी विद्युत नगर, प्राचार्य श्रीमति पूनम दुआ, प्राचार्य सरस्वति शिशु मंदिर, कर्नल सिन्हा, विल्सन (एजीएम एच आर), आर पी सिन्ह (कमांडेंट CISF) तथा अन्य का भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य, सतीश कुमार और खेल शिक्षक अरविंद कुमार द्वारा अतिथियों को गमले भेंटकर उनका 'ग्रीन वैल्कम' और बैज तथा कैप पहनाकर उन्हें सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि द्वारा दीप-प्रज्ज्वलन के पश्चात छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने उपस्थित लोगों को आनंदित कर दिया। प्राचार्य सतीश कुमार द्वारा स्वागत भाषण देते हुए छात्र-छात्राओं की राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाए दी।

समारोह में शिवाजी, टैगोर, अशोक और रमन सदन के छात्रों ने अनुशासित परेड का प्रदर्शन किया। परेड की समाप्ति पर छात्रों को देश-प्रेमखेल-भावना और कर्तव्यपरायणता की शपथ दिलाई गई।

प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों ने लैमन एंड स्पून रेस, सैक रेस, रस्सा कस्सी, तथा लड़के व लड़कियों के वर्ग में 50 मी. की दौड़ हुई। माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं में बालक/बालिका वर्गों के छात्रों के लिए अलग-अलग 100 मी, तथा चौकी दौड़ (रिले रेस) आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि ने अपने संदेश में प्राचार्य शिक्षकों तथा छात्रों की परिश्रमशीलता की प्रशंसा करते हुए आगे भी एसे ही श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने को कहा। 'स्पोर्ट्स मीट' के समापन की घोषणा वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती बबीता सिन्हा ने की।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com